www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 35.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 95.770g
चांदी 78.800 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 कश्मीर की आर्थिकी पर भी आघात, पर्यटन क्षेत्र को भी करारा झटका
दहेज के लिए पत्नी से मारपीट 04

वर्ष :08 | अंक :304 | मुंबई , शनिवार , 26 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मादक पदार्थों की तस्करी में युवक को 10 साल का कारावास

मिजोरम के चंफाई जिले की एक विशेष अदालत ने मादक पदार्थों की तस्करी में युवक को 10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। शुक्रवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष अदालत ने बृहस्पतिवार को सुनाए गए अपने फैसले में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत चंफाई जिले के बुआंग गांव निवासी सी. लालरिनसांगा (29) को दोषी ठहराया। उसे हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन की गोलियों की तस्करी के लिए 10 साल की जेल की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 1.1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अधिकारी ने बताया कि लालरिनसांगा को फरवरी 2022 में 63 ग्राम हेरोइन और 95 किलोग्राम मेथाम्फेटामाइन गोलियां रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी कीमत 32 लाख रुपये से अधिक थी।

अटल पेंशन योजना के लिए 1.20 करोड़ लोगों ने किया नामांकन

उत्तर प्रदेश में अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के लिए अब तक 1.20 करोड़ लोगों ने नामांकन किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में योजना के लिए नामांकन देश के अन्यराज्यों के मुकाबले कहीं ज्यादा हुए हैं। एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को मिशन मोड में लागू करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अटल पेंशन योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया है। बयान के मुताबिक, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में योजना का प्रचार-प्रसार किया गया और बैंकों व अन्य समितियों को भी इस अभियान से जोड़ा गया। बयान में बताया गया कि कुल आठ प्रमुख बैंकों सहित कुल 60 हितधारकों के जरिए अटल पेंशन योजना को संचालित किया जा रहा है। बयान के मुताबिक, जिन जिलों में सबसे ज्यादा नामांकन हुए उनमें प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, फतेहपुर और कानपुर नगर जैसे जिले शामिल हैं। अटल पेंशन योजना के तहत असंगठित क्षेत्र के 18 से 40 वर्ष के भारतीय नागरिक मासिक, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक आधार पर छोटी राशि जमा करा सकते हैं और यह राशि उनके बैंक खाते से स्वचालित रूप से जमा होती है। व्यक्ति को 60 की उम्र पूरी करने के बाद 1,000 से 5,000 रुपये मासिक पेंशन मिलती है। कम उम्र में शुरू करने पर योगदान कम होता है और अगर खाताधारक की मृत्यु हो जाती है तो पेंशन उसके जीवनसाथी को मिलती है तथ दोनों की मृत्यु के बाद जमा राशि नामांकित व्यक्ति को दी जाती है।

'कोई भी पाकिस्तानी समय सीमा से ज्यादा भारत में न रहे'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को किया फोन

मुख्यमंत्रियों को सख्त निर्देश

▶▶अमित शाह इस मुद्दे पर सभी मुख्यमंत्रियों से बात कर रहे हैं और उनसे अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कह रहे हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी मौजूदा वीजा रद्द करने के एक दिन बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी मुख्यमंत्रियों को पड़ोसी देश के नागरिकों की पहचान करने और उन्हें अपने-अपने राज्यों से तुरंत हटाने का निर्देश दिया। शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद, अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को उन्हें निर्वासित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। अमित शाह इस मुद्दे पर सभी मुख्यमंत्रियों से बात कर रहे हैं और उनसे अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कह रहे हैं।पहलगाम आतंकी हमलों के मद्देनजर, भारत ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने के लिए कहा। केंद्र ने आगे कहा कि मेडिकल वीजा वाले पाकिस्तानी नागरिकों को अतिरिक्त दो दिन मिलेंगे, लेकिन उन्हें 29 अप्रैल तक देश छोड़ना होगा। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में, भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया है।नयी दिल्ली ने 2008 में 26 नवंबर को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत में नागरिकों पर हुए सबसे जघन्य आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों पर जवाबी कार्रवाई के तहत पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की भी घोषणा की।

पाकिस्तानी हिंदुओं नहीं भेजा जाएगा वापस

इस बीच केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन हिंदुओं को लॉन्ग टर्म वीजा दिया गया था, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है. विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जिन पाकिस्तानी हिंदुओं को लॉन्ग टर्म वीजा जारी किया गया है उनको वापस नहीं भेजा जाएगा.

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का एक्शन

गौरतलब है कि सरकार ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों को 48 घंटे के अंदर भारत छोड़ने के लिए कहा गया था. इसके अलावा भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सिंधु नदी का पानी रोकने की भी घोषणा की थी.

पाकिस्तान लौट रहीं महिलाएं अटारी बॉर्डर पर रोकीं

मायके आई थीं, नागरिकता न होने की वजह से परमिशन नहीं दी, बच्चे जाने दिए

अमृतसर, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुक्रवार को भी पाकिस्तानी नागरिक अमृतसर के अटारी बॉर्डर से वापस लौट रहे हैं। वीजा खत्म होने से पहले पाकिस्तान लौट रहीं कई महिलाओं को बॉर्डर पर रोक दिया गया, लेकिन उनके बच्चों को जाने दिया गया। अधिकारियों ने उनसे कहा कि आपके पास पाकिस्तान की नागरिकता नहीं है।महिलाओं ने कहा कि वह भारत में पली बढ़ी हैं, लेकिन उनकी शादी पाकिस्तान में हुई है। वह अपने मायके आई हुई थीं। अधिकारियों ने दलीलें सुनने के बाद भी उन्हें आगे जाने की परमिशन नहीं दी। अधिकारियों ने महिलाओं से कहा कि उन्हें आदेश मिले हैं कि भारतीय पासपोर्ट वालों को पाकिस्तान न जाने दिया जाए।

दिल चीरकर दिखा नहीं सकते....

दिल्ली की जामा मस्जिद से इमाम बुखारी ने पाकिस्तान को ललकारा

○जामा मस्जिद के बाहर आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी:
○शाही जामा मस्जिद में आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली/नोएडाः पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में पूरे देश में उबाल है. दिल्ली की ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद के इमाम सैयद अहमद बुखारी ने जुमे के खुतबे में एक भावुक बयान दिया. उन्होंने कहा कि एक इंसान का कत्ल, पूरी इंसानियत का कत्ल है. उन्होंने पहलगाम में बेगुनाहों की हत्या को नाकाबिले बर्दाश्त बताते हुए कहा कि आतंकवाद को किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता. इमाम बुखारी ने कहा कि आज दुनिया भर में जंग जैसे हालात हैं. इंसान इंसान को मारकर अपनी कामयाबी तलाश रहा है. यह सिलसिला अगर नहीं रुका तो इंसानियत का नामो-निशान मिट जाएगा. वहीं, आतंकी हमले के विरोध में कई लोगों ने हाथ पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की. नमाज के बाद जामा मस्जिद के बाहर लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन भी किया. आतंकी हमले से भारत के करोड़ों मुसलमान शर्मिंदाः जुमे की नमाज से पहले इमाम सैयद अहमद बुखारी ने पाकिस्तान के जरिए भारत में घुसपैठ कराए गए आतंकवादियों द्वारा मासूमों की हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य से भारत के करोड़ों मुसलमान शर्मिंदा होते हैं. इससे देश में नफरत का माहौल और गहरा हो जाता है. पाकिस्तान को जवाब देना चाहिए कि भारत के मुसलमानों को इस सबका खामियाजा क्यों भुगतना पड़ रहा है।

दिल्ली में जुमे की नमाज के बाद लोगों ने ऐतिहासिक जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया.

पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी, अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

कोर्ट परिसर में एहतियाती कदम उठाए गए हैं। कोर्ट परिसर में किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं है। इससे पहले जनवरी 2024 में पटना हाईकोर्ट को भी इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

एजेंसी

पटना सिविल कोर्ट को शुक्रवार को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कोर्ट में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक की जांच में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली है। कोर्ट परिसर में एहतियाती कदम उठाए गए हैं। कोर्ट परिसर में किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं है। इससे पहले जनवरी 2024 में पटना हाईकोर्ट को भी इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

हर एक भारतीय एकजुट हो

श्रीनगर में राहुल गांधी बोले- सरकार जो कदम उठाएगी, हम साथ हैं

कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की, और उन्होंने मुझे जो कुछ हुआ उसके बारे में जानकारी दी, और मैंने उन दोनों को आश्वासन दिया कि मेरी पार्टी और मैं उनका पूरा समर्थन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी उन्होंने श्रीनगर में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर ने आतंकवादी हमले की निंदा की, राष्ट्र का पूरा समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ घायलों से मुलाकात की, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एकजुट विपक्ष इस कार्रवाई की निंदा करता है; जो भी कार्रवाई की जाएगी हम उसका समर्थन करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह जरूरी है कि सभी भारतीय एकजुट हों, ताकि हम आतंकवादियों और उनके इरादों को परास्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट होकर खड़ा हो, साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को परास्त कर सकें। यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं और मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी एक साथ खड़े हों, एकजुट होकर इस घिनौनी कार्रवाई का मुकाबला करें और आतंकवाद को हमेशा के लिए परास्त करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की।

वक्फ कानून पर केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

कहा- धार्मिक अधिकार में कोई हस्तक्षेप नहीं, सभी याचिकाएं खारिज की जाएं

केंद्र सरकार ने आगे कहा, ₹जबकि यह कोर्ट मामलों की सुनवाई के दौरान इन चुनौतियों की जांच करेगा, लेकिन सामान्य मामलों में (यहां तक कि मुस्लिम समुदाय के सदस्यों पर भी) इस तरह के आदेश के प्रतिकूल परिणामों के बारे में जाने बिना पूरी तरह से या आंशिक रोक लगाना अनुचित होगा, विशेष रूप से ऐसे कानूनों की वैधता की धारणा के संदर्भ में.

एजेंसी

नई दिल्ली, वक्फ संशोधन कानून पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। केंद्र ने कहा, 'वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि वैधानिक निकाय है।'केंद्र ने वक्फ (संशोधन) की वैधता के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज करने की मांग की। केंद्र ने कहा, अदालतें वैधानिक प्रावधान पर रोक नहीं लगा सकती, संवैधानिक वैधता की समीक्षा कर सकती हैं और निर्णय दे सकती हैं।संसद में बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। विधायिका द्वारा लागू की गई विधायी व्यवस्था को बदलना स्वीकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अप्रैल को 7 दिन के अंदर केंद्र से वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा था। इस मामले में अगली सुनवाई 5 मई को होगी।केंद्र के हलफनामें में 7 बड़ी दलीलें अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि संशोधन से धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीन लिया जाएगा।

यूपी बोर्ड का रिजल्ट जारी, 10वीं में यश प्रताप और 12वीं में महक ने किया टॉप

लखनऊ में किसान की बेटी 10वीं टॉपरःतीन स्टूडेंट्स जिले के फर्स्ट रैंकर; कारागार के 8 बंदी भी पास

इस साल यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट यानी 12वीं की परीक्षा में प्रयागराज की छात्रा महक जायसवाल ने 97.20 फीसदी अंक हासिल कर टॉप किया है। 12वीं की अंतिम परीक्षा में चार छात्रों ने 96.80 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया है– साक्षी, आदर्श यादव, शिवानी सिंह और अनुष्का सिंह।

एजेंसी

प्रयागराज/ लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने हाईस्कूल (कक्षा 10) और इंटरमीडिएट (कक्षा 12) रिजल्ट 2025 के घोषित कर दिया है। हाई स्कूल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.11 फीसदी और इंटरमीडिएट उत्तीर्ण प्रतिशत 81.15 फीसदी रहा। इंटरमीडिएट यानी 12वीं में 81.5 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए हैं। इस साल करीब 55 लाख छात्रों ने परीक्षाओं में हिस्सा लिया था, और अब सभी की निगाहें अपने रिजल्ट पर टिकी हुई हैं। सीएम योगी ने सभी को छात्रों को बधाई दी है। यूपी बोर्ड 10वीं रिजल्ट में यश प्रताप सिंह ने 97.83 फीसदी अंकों के साथ टॉप किया है। यश प्रताप सिंह रसकेंद्री देवी इंटर कॉलेज, उमरी (जालौन) ने किया टॉप। यूपी बोर्ड 12वीं में 97.20% अंकों के साथ महक जायसवाल ने टॉप किया है। महक जायसवाल, बच्चा राम यादव इंटर कॉलेज, भुलाई की छात्रा हैं।इस साल यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट यानी 12वीं की परीक्षा में प्रयागराज की छात्रा महक जायसवाल ने 97.20 फीसदी अंक हासिल कर टॉप किया है। 12वीं की अंतिम परीक्षा में चार छात्रों ने 96.80 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया है- साक्षी, आदर्श यादव, शिवानी सिंह और अनुष्का सिंह। तीसरा स्थान पाने वाली मोहिनी ने 96.40 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।

दिल्ली में ट्रीपल इंजन सरकार

भाजपा पार्षद राजा इकबाल सिंह बने दिल्ली के मेयर, कांग्रेस उम्मीदवार को मिले 8 वोट

▶▶राजा इकबाल सिंह के दिल्ली के नए मेयर चुने जाने पर भाजपा पार्षदों ने जश्न मनाया। इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना, कूड़े के पहाड़ों को हटाना, जलभराव की समस्या का समाधान करना तथा दिल्ली के लोगों को सभी मूलभूत एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना ही मुख्य लक्ष्य होगा।

एजेंसी

भाजपा ने शुक्रवार को दो साल के अंतराल के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) पर फिर से कब्जा कर लिया। इसके साथ ही दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार हो गई है। भाजपा के उम्मीदवार राजा इकबाल सिंह दिल्ली के नए मेयर चुने गए। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा चुनाव का बहिष्कार किए जाने और कांग्रेस की मामूली उपस्थिति के बावजूद भाजपा ने 142 वोटों में से 133 वोट हासिल करके आसान जीत हासिल की। सिंह के प्रतिद्वंद्वी, कांग्रेस उम्मीदवार मंदीप को केवल आठ वोट मिले। एक वोट अवैध घोषित किया गया। राजा इकबाल सिंह के दिल्ली के नए मेयर चुने जाने पर भाजपा पार्षदों ने जश्न मनाया। इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना, कूड़े के पहाड़ों को हटाना, जलभराव की समस्या का समाधान करना तथा दिल्ली के लोगों को सभी मूलभूत एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना ही मुख्य लक्ष्य होगा।

खैर श्रीनगर में एलजी मनोज सिन्हा से मिले सेना प्रमुख

जम्मू और कश्मीर: आतंकियों की अब खैर नहीं!

एजेंसी

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। उनका यह दौरा पहलगाम आतंकी हमले के बाद हो रहा है। उपेंद्र द्विवेदी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की है।

राजभवन ने बताया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से न केवल पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है, बल्कि आतंकवाद के बुनियादी ढांचे और उसके पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के प्रयासों को भी तेज करने को कहा है। चर्चा के दौरान उपराज्यपाल ने कहा कि देश को हमारी सेना, पुलिस और सीएपीएफएस की बहादुरी और पराक्रम पर पूरा भरोसा है और उन्हें पहलगाम आतंकवादी हत्या के अपराधियों, समर्थकों और ओजीडब्ल्यूएस की पहचान करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और पूरी श्रृंखला का निरंतर तरीके से पीछा करके उन्हें बेअसर करना चाहिए। उपराज्यपाल ने शीर्ष सैन्य अधिकारियों से कहा, ₹पहलगाम आतंकवादी हमले के हर अपराधी और समर्थक, चाहे वह किसी भी स्थान या संबद्धता से जुड़ा हो, की तलाश की जानी चाहिए और उन्हें हमारे नागरिकों के खिलाफ कायरतापूर्ण और नृशंस कृत्य के लिए भारी कीमत चुकानी चाहिए।₹ बैठक में सुरक्षा तंत्र, विभिन्न अल्पकालिक, दीर्घकालिक उपायों और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच एकीकरण और समन्वय की भी समीक्षा की गई। बैठक में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार, उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और 15 कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव शामिल हुए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार रात एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार आंतकियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निदेर्शों का तेजी से पालन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार देश के नागरिकों की हत्या का बदला लेने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राजभवन ने बताया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से न केवल पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है, बल्कि आतंकवाद के बुनियादी ढांचे और उसके पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के प्रयासों को भी तेज करने को कहा है।

'पीओके को भारत में किया जाए शामिल'

विरोध प्रदर्शन के दौरान बोले वीएचपी प्रमुख आलोक कुमार

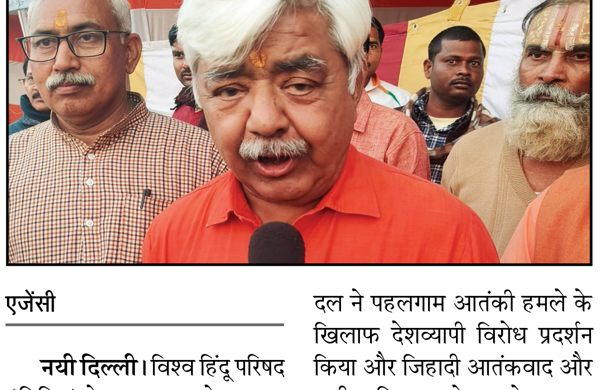

○ आरएसएस से जुड़े संगठन और उसकी युवा शाखा बजरंग दल ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और जिहादी आतंकवाद और पापी पाकिस्तान के पुतले जलाए। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अध्यक्ष आलोक कुमार ने शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में शामिल करने और पड़ोसी देश द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने का आह्वान किया। आरएसएस से जुड़े संगठन और उसकी युवा शाखा बजरंग दल ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और जिहादी आतंकवाद और पापी पाकिस्तान के पुतले जलाए। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। कुमार ने जंतर-मंतर पर आयोजित एक विरोध सभा में कहा, ₹अब समय आ गया है कि दुनिया को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मुक्त कराया जाए और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को जिहादियों के चंगुल से मुक्त कराया जाए और उसे भारत में मिलाया जाए।₹ उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कूटनीतिक कदमों ने पाकिस्तान को दुनिया में अलग-थलग कर दिया है।

सम्पादकीय

पाकिस्तानी सेना को नहीं सुहाती शांति, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आक्रोश में पूरा भारत

भारत में जो लोग पाकिस्तान के साथ वार्ता शुरू करने की हिमायत करते हैं या अमन की आशा का राग अलापते हैं उनके लिए मुनीर का यह भाषण आंखें खोलने वाला होना चाहिए। कुछ ही महीनों में सैन्य प्रमुख के रूप में मुनीर के सेवा विस्तार का भी फैसला हो जाएगा। पूरा देश इस समय पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आक्रोश में है। चूंकि यह आतंकी हमला पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के एक हालिया जहरीले भाषण के कुछ दिन बाद ही हुआ, इसलिए इस हमले के तार उनके उस संबोधन से भी जोड़कर देखे जा रहे हैं। गत 16 अप्रैल को इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानियों के समक्ष दिया गया उनका यह भाषण खासा चर्चित हुआ था। आज इस भाषण के बिंदुओं और उसके महत्वपूर्ण संदर्भ को समझना और जरूरी हो गया है। मुनीर के भाषण के मुख्य रूप से तीन पहलू हैं। पहला यह कि यह संबोधन उस पृष्ठभूमि में हुआ, जब पाकिस्तान बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है। इन मुश्किलों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, अलगाववाद, पानी की साझेदारी को लेकर प्रांतों में खटपट और खस्ताहाल अर्थव्यवस्था जैसे पहलू जुड़े हैं। पाकिस्तानी आर्थिकी तो इतनी कठिनाइयों में फंसी है कि आइएमएफ जैसी संस्थाओं के रहमो-करम पर बस किसी तरह चल रही है। दूसरा, अपने भाषण के जरिये उन्होंने विदेश में बसे पाकिस्तानियों का समर्थन जुटाने का प्रयास किया, जो इमरान खान के समर्थक माने जाते हैं। तीसरा पहलू संभवतः सबसे अहम है कि उन्होंने सेना प्रमुख के रूप में अपने सेवा विस्तार के लिए दांव चला, क्योंकि नवंबर में उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है। वह यही साबित करना चाहते थे कि सेना ही साहस और एकजुटता से समस्याओं का सामना कर रही है, पर वह अपनी इन कोशिश में सफल होते नहीं दिखे। मुनीर के भाषण का सार समझें तो उन्होंने हिंदू-मुस्लिम दो अलग-अलग पहचान बताते हुए पाकिस्तान के गठन की आवश्यकता को नए सिरे से रेखांकित किया। बलूचिस्तान में अलगाववाद को लेकर दावा किया कि यह बहुत बड़ी समस्या नहीं और कश्मीर को पाकिस्तान की गर्दन की नस बताकर उसके प्रति संवेदनशीलता जाहिर की। इसमें सबसे विवादित अंश को देखें तो उन्होंने मुसलमानों को हिंदुओं से सर्वथा भिन्न बताते हुए भारत-विरोधी विमर्श को नए तेवर दिए। उन्होंने कहा, हमारे पूर्वजों ने यही सोचा कि जीवन के प्रत्येक पहलू के लिहाज से हम हिंदुओं से बिल्कुल अलग हैं। हमारा मजहब, हमारी मान्यताएं, हमारी परंपराएं और आकांक्षाएं बिल्कुल अलग हैं। इसी कारण द्विराष्ट्रवाद की नींव तैयार की गई। हम दो अलग देश हैं, जो किसी सूरत में एक नहीं। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान का गठन जिस द्विराष्ट्रवाद की धारणा पर हुआ, वह भावना भावी पीढ़ियों में भी अवश्य भरी जानी चाहिए।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: दिन मेष राशि के लिए मिलाजुला रहने वाला है. आप धैर्य और बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान निकालने में सफल रहेंगे. परिवार में आपकी संबंध बेहतर होगा. कल आपको संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है.

वृषभ राशि: वृषभ राशि वालों को किसी से वाहन या धन उधार नहीं लेना चाहिए नुकसान हो सकता है. आपको किसी से ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिए जिससे उन्हें बुरा लगे, बेहतर होगा कि आप अपनी वाणी को संयमित रखें. लव लाइफ में कल पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है.

मिथुन राशि: दिन मिथुन राशि लिए उलझन वाला रहेगा. परिवार में चल रही समस्याओं से आप पर हावी रह सकता है. आपको कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए. आप कुछ समय अपने बच्चों से बातचीत में बिताएंगे, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी. मन में चल रही उथल-पुथल के कारण आपको अपने कार्य पूरे करने में परेशानी होगी.

कर्क राशि: दिन कर्क राशि के लिए अच्छा है. साझेदारी में कोई काम शुरू करेंगे तो फायदे में रहेंगे. जो लोग सामाजिक अथवा राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं उन पर कोई गलत आरोप लग सकता है. आपको अपने विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है. सेहत के मामले में भी आपको आपको अपना ध्यान रखना होगा. आपको किसी काम से अचानक यात्रा पर जाना पड़ सकता है.

सिंह राशि: कारोबार के मामलों में कल का दिन सिंह राशि के जातकों के लिए अच्छा रहने वाला है. कारोबार में कल आपको बेहतर मुनाफा मिलेगा. लेकिन सलाह है कि कल शेयर के कारोबार में रिस्क लेने की गलती न करें. कोई बड़ा आर्थिक फैसला लेने से कल आपको बचना चाहिए.

कन्या राशि: दिन कन्या राशि के लिए नए संपर्कों से लाभ लेकर आया है. आप किसी महत्वपूर्ण चर्चा और प्रोजेक्ट में भाग ले सकते हैं. सलाह है कि कल आपको अपने व्यवहार और कार्यशैली में बदलाव लाते रहना चाहिए इससे आप लाभ और उन्नति का अवसर पाएंगे.

तुला राशि: दिन तुला राशि के लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा. आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है जिससे परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी, जिससे माहौल खुशनुमा बनेगा.

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के लिए सितारे कहते हैं कि कल का दिन कुछ कठिनाइयों से भरा रहेगा. बिजनस में आपको कल कुछ उलझन का सामना करना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ पार्टी में मौज-मस्ती कर सकते हैं. संतान पक्ष से आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है.

धनु राशि: दिन धनु राशि के जातकों के लिए लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा. आप परिवार के सदस्यों के साथ आनंद के पल बिताएंगे. आपके परिवार में किसी उत्सव का आयोजन हो सकता है. आपको अपने जीवनसाथी का भरपूर सहयोग आसानी से मिलता नजर आ रहा है.

मकर राशि: सेहत के मामले में कल का दिन मकर राशि के लिए कमजोर रहने वाला है. काम की अधिकता के कारण मानसिक और शारीरिक परेशानी होगी.

कुंभ राशि: दिन कुंभ राशि के लिए अनुकूल रहने वाला है. आप अपने परिवार वालों के साथ कुछ पुरानी यादें ताजा करेंगे और आप कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं. तो उनमें पैसा लगाना आपके लिए बेहतर रहेगा. विद्यार्थियों को अपने सीनियर्स की मदद लेनी पड़ सकती है.

मीन राशि: दिन मीन राशि के लिए खुशी भरा रहने वाला है. लव लाइफ में कल का दिन अच्छा रहेगा. आपको अपने प्रिय से कोई उपहार मिल सकता है और आप अपने साथी के प्रति समर्पित दिखाई देंगे.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कश्मीर की आर्थिकी पर भी आघात, पर्यटन क्षेत्र को भी करारा झटका

> पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वर्ष 2023 में 1.89 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया। उस साल पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय बढ़कर 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गई थी। घरेलू पर्यटक भी देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर गए। इसके बावजूद भारत में पर्यटन उद्योग अभी बहुत पीछे है। पर्यटकों का खर्च स्थानीय अर्थव्यवस्था में पुनः निवेश का काम करता है।

कश्मीर की सबसे खूबसूरत वादियों में से एक पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने जम्मू-कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र को भी करारा झटका दिया है। इसके साथ ही पर्यटन से जुड़े लाखों कश्मीरियों के जीवन में घोर निराशा घर कर गई है। जम्मू-कश्मीर में लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन हैं। इस आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या कम होते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल एवं फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे हैं। इसका सीधा असर वहां के पर्यटन उद्योग-कारोबार और स्थानीय लोगों की आय पर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि पिछली सदी के अंतिम दशक में जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था, जब कश्मीरी हिंदू घाटी छोड़कर जा रहे थे, तब कश्मीर में पर्यटकों की संख्या नगण्य हो गई थी, लेकिन अनुच्छेद 370 और 35ए हटाए जाने और विधानसभा चुनाव के बाद माहौल सुरक्षित होने के बाद प्रदेश में देश-विदेश के पर्यटकों के कदम तेजी से बढ़ने लगे थे। पर्यटन की ताकत के दम पर राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने लगी थी। वित्त वर्ष 2024-25 में जम्मू-कश्मीर की विकास दर सात प्रतिशत से अधिक रही। उसका सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहां के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी करीब 11 प्रतिशत बढ़कर डेढ़ लाख रुपये से अधिक हो गई है। इस कारण बेरोजगारी दर भी घटी है। यदि हम जम्मू-कश्मीर में पहुंचे पर्यटकों की संख्या देखें तो यह वर्ष 2020 में करीब 34 लाख थी। वर्ष 2023 में वहां 2.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। यह संख्या वर्ष 2024 में बढ़कर 2.36 करोड़ पहुंच गई, जो एक रिकार्ड है। इस समय प्रदेश के पर्यटन उद्योग का आकार लगभग 12 हजार करोड़ रुपये का है। आर्थिक गतिविधियों के दायरे में वृद्धि होने से जम्मू-कश्मीर की आर्थिकी में सेवा क्षेत्र का योगदान करीब 61 प्रतिशत हो गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह करीब 55 प्रतिशत ही है। राज्य के गैर कर राजस्व में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़कर 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है, लेकिन अब इस आतंकी हमले ने पर्यटन कारोबार को संकट में डाल दिया है। वर्ष 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के कारण भी जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बड़ा झटका लगा था और पर्यटकों की संख्या घटकर आधी रह गई थी। पर्यटन कश्मीर की आर्थिक शक्ति है, जबकि एक दशक पहले कश्मीर की आर्थिकी में केंद्र सरकार द्वारा दिए गए संसाधनों की अधिक भूमिका थी। हालांकि जम्मू-कश्मीर के अधिकांश लोग जीवन निर्वाह के लिए परंपरागत कृषि कार्य में संलग्न दिखते हैं। कश्मीरी लोग चावल, मक्का, गेहूं, जौ, दलहन, तिलहन तथा तंबाकू आदि उत्पादित करते हैं। साथ ही बड़े-बड़े बागों में सेब, नाशपाती, आड़ू, शहतूत, अखरोट और बादाम उगाए जाते हैं, लेकिन इन सबकी उत्पादकता बहुत कम है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों के बढ़ने से राज्य की आर्थिकी में सुधार होने लगा था इससे कश्मीर के हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों का विकास दिखाई देने लगा था। इसका फायदा यहां के लोगों को सीधे तौर पर रोजगार के अवसर के रूप में मिलने लगा था। ऐसे में कश्मीर से अपने घर को छोड़कर दूसरे राज्यों में नौकरी के लिए जाने वाले युवाओं की संख्या में कमी आने लगी थी। कश्मीरी लोगों के जीवनस्तर में सुधार होने लगा था। नया निवेश आने से बुनियादी ढांचे, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होने के साथ आर्थिक-सामाजिक खुशहाली बढ़ने लगी थी, लेकिन पहलगाम में आतंकी हमला कश्मीर के पर्यटन उद्योग की रीढ़ तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है। साफ है कि आतंकियों ने कश्मीरी लोगों की आर्थिकी पर भी करारा आघात किया है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा पर्यटन क्षेत्र से आता है। भारत में पर्यटन उद्योग का आकार वर्ष 2024 में लगभग 256 अरब डालर रहा। पर्यटन उद्योग करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। तेजी से बढ़ता भारत का पर्यटन उद्योग अगले 10 वर्षों में 523 अरब डालर का हो सकता है। भारत दुनिया के खूबसूरत और अद्भुत देशों में से एक है। भारत अपने बेजोड़ पर्यटन स्थलों के दम पर दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करने की संभावनाएं रखता है। सदियों से पर्यटक और आगंतुक इसके स्थलों की ओर आकर्षित होते रहे हैं। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वर्ष 2023 में 1.89 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया। उस साल पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय बढ़कर 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गई थी। घरेलू पर्यटक भी देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर गए। इसके बावजूद भारत में पर्यटन उद्योग अभी बहुत पीछे है। पर्यटकों का खर्च स्थानीय अर्थव्यवस्था में पुनः निवेश का काम करता है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से रोजगार और पर्यटन से जुड़े विभिन्न उद्योग-कारोबार भी बढ़ते हैं। उम्मीद है कि मोदी सरकार कुछ ऐसे कदम उठाएगी, जिससे पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर सहित पूरे देश में पर्यटन पर छाए निराशा के बादल छंटेंगे।

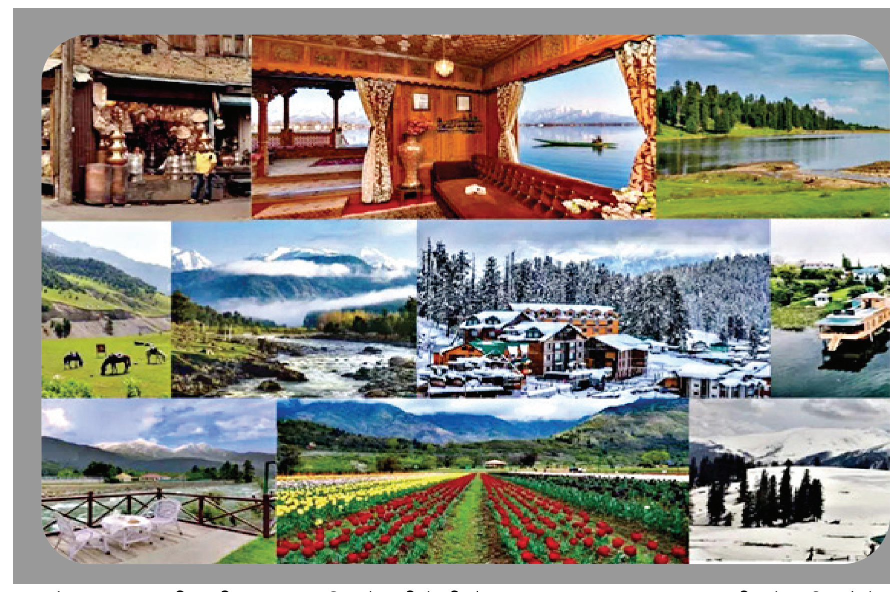

बदलती जीवन शैली से संकटमय पशु आबादी

विजय गर्ग

अपने ही इस अखबार में एक बड़ी रपट छपी थी। जिसमें बताया गया था कि पंजाब में पशुओं की गणना से पता चला कि उनकी संख्या, पिछली गणना के मुकाबले कम हो गई है। पशुओं की गणना हर पांच साल में की जाती है। इनकी संख्या में 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जिनकी गणना की गई उनमें भैंस, गाय, भेड़, बकरियां, घोड़े, टट्टू, खच्चर, गधे, ऊंट, सूअर, खरगोश, कुत्ते और हाथी शामिल हैं। क्या इस गणना में बिल्लियों, मुर्गियों, बैलों को भी शामिल किया गया था? इसी रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य में अब बस सिर्फ 127 गधे, 77 ऊंट और 1 हाथी ही बचा है। एक अच्छी खबर यह है कि देसी गायों की संख्या बढ़ती जा रही है। दुधारू पशुओं की घटती संख्या का असर दूध उत्पादन पर नहीं पड़ा है। हालांकि 2019 की गणना में बताया गया था कि भारत में पशुओं की संख्या 2012 के मुकबले 4.6 प्रतिशत अधिक है। हो सकता है पांच साल में यह कम हो गई हो। 2022 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की रिपोर्ट में बताया गया था कि पूरी दुनिया में जंगलों में रहने वाले पशु तेजी से कम हो रहे हैं। उनमें 69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

पालतू पशुओं की संख्या कम होने का बड़ा कारण यह है कि लोग गांव छोड़कर शहरों की तरफ या विदेश जा रहे हैं। ऐसे में जब युवा ही नहीं होंगे साथ में तो पशुओं की देखभाल कौन करे। निःसंदेह, इनकी देखभाल में काफी समय और मेहनत भी लगती है। इनके रहने के लिए अतिरिक्त जगह भी चाहिए। शहरों के फ्लैट सिस्टम में तो दुधारू पशु पाले ही नहीं जा सकते। हां, सालों पहले कोलकाता में एक आदमी ने अपने आठवीं मंजिल के फ्लैट में गाय पाली थी।

पशुओं की हो रही कमी सिर्फ पंजाब की ही बात नहीं है, पूरे भारत की बात है। रिपोर्ट चाहे कुछ भी कहती हो, पशु पालने में बहुत मेहनत लगती है। एक बार पंजाब के लोगों का ही एक साक्षात्कार पढ़ रही थी, जिसमें बताया गया था कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जो महिलाएं विवाह करके आती हैं, उनकी रुचि खेती के कामों में नहीं है। हम जानते ही हैं कि पशुओं की देखभाल, उनकी सानी-पानी, उनका दूध दुहना आदि का काम बड़ी संख्या में महिलाएं ही करती रही हैं। लेकिन अब महिलाओं की यह पीढ़ी खत्म होने के कगार पर है। पढ़ी-लिखी लड़कियों की इस काम में इतनी दिलचस्पी भी नहीं। न ही उनमें इतनी मेहनत करने की ताकत है।

उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है। बल्कि कहें कि पूरे देश में ही अब घरों में पशु पालने का चलन कम होता जा रहा है। हालांकि उत्तर प्रदेश के बारे में कहा जाता है कि वहां सबसे अधिक पशु हैं। पशुओं को धन कहा गया है। गो धन, गज धन, बाज धन। यानी कि गाय, हाथी और घोड़े धन जैसे ही होते हैं। गाय के दूध से ही दही, मक्खन, छाछ मिलता है। पहले खेती के कामों के लिए बछड़े भी देती थी, जिनकी इन दिनों दुर्दशा है। ट्रैक्टर के आने के बाद चूंकि बैलों की जरूरत नहीं रही, तो अब वे मारे-मारे फिरते हैं। कोई उन्हें नहीं पालता। वैज्ञानिकों ने भी बैलों की पूरी प्रजाति को खत्म करने की ठान ली है। कुछ साल पहले बताया गया था कि वैज्ञानिकों ने ऐसी प्रविधि विकसित कर ली है, जिनमें गायें अब बस बछियों को ही जन्म देंगी। हमारे देखते-देखते एक पूरी प्रजाति नष्ट हो जाएगी। सिर्फ म्यूजियम्स में बचेगी। मनुष्य की स्वार्थपरता का यह एक नमूना भर है।

दूसरे नम्बर का धन गज धन यानी कि हाथी। हाथी युद्ध से लेकर बहुत से कार्य में काम आता था। अमीर लोग अपनी अमीरी का प्रदर्शन करने के लिए दरवाजे पर हाथी बांधते थे। और घोड़े, उनकी उपयोगिता के तो कहने ही क्या। वे युद्ध में तो काम आते ही थे, परिवहन का साधन भी थे। माल की ढुलाई भी करते थे।

लेकिन बदलते वक्त के साथ अब बहुत कम लोग पशु पालना चाहते हैं। एक-दो किलो दूध के लिए कौन इन्हें पाले। जब आने-जाने के इतने त्वरित साधन मौजूद हों, तो भला घोड़े की क्या जरूरत। जैसा कि पंजाब की रिपोर्ट में बताया गया कि पशुओं की संख्या कम होने के बावजूद देश में दूध की कमी नहीं है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि अपने यहां 1970 में ही दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की स्थापना की गई थी। इससे जुड़े डॉ. वर्गीज कुरियन का मुख्य उद्देश्य दूध के उत्पादन को बढ़ाकर भारत को इस मामले में आत्मनिर्भर बनाना था। यह दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादन प्रोग्राम था। गुजरात से शुरू हुआ यह प्रोग्राम पूरे भारत में छा गया था।

डॉ. वर्गीज कुरियन को मिल्कमैन आफ इंडिया भी कहा जाता था। उन्होंने न केवल गुजरात में बनाए दूध और उससे जुड़े तमाम उत्पादों को भारत के घर-घर पहुंचाया बल्कि इस आंदोलन से किसानों और विशेषकर स्त्रियों को भी बहुत लाभ हुआ। उनकी आय बढ़ी। इसे अमूल का नाम दिया गया था। आज भी बहुत से लोग इन उत्पादों का उपयोग करते हैं। अमूल के विज्ञापन भी बहुत चर्चित रहते आए हैं। इसका मालिकाना हक भी दूध उत्पादन करने वालों के पास था। इसी विषय पर उन दिनों श्याम बेनेगल ने मंथन नाम से फिल्म बनाई थी। इसमें स्मिता पाटिल ने शानदार अभिनय किया था।

इसके बाद तो बहुत-सी अन्य डेयरियां भी खुलीं। भारत की दस प्रमुख डेयरियों में अमूल (गुजरात), मदर डेयरी (दिल्ली), मिल्मा (केरल), दूधसागर (मेहसाणा, गुजरात), नंदिनी (कर्नाटक), पराग (महाराष्ट्र), स्त्रीबर (अमेरिका), वेरका (पंजाब) आवनि, (तमिलनाडु) आदि शामिल हैं। हालांकि, 1930 में ही अमूल के आने से पहले पोलसन ने भारत में दूध सप्लाई करने का काम किया था।

शायद दूध क्रांति का ही फल है कि देश में दूध और उससे जुड़े उत्पादों की कोई कमी नहीं है। इसी कारण अब गांवों में भी इक्का-दुक्का घरों में ही पालतू पशु दिखाई देते हैं। इस लेखिका के घर में भी बहुत से पशु पाले जाते थे। गांव के घर-घर में वे मौजूद थे। लेकिन अब कहीं-कहीं ही दिखाई देते हैं। शहरों में तो पशुओं के लिए टैक्स भी देना पड़ता है। अड़ोसी-पड़ोसी गंदगी की शिकायत भी करते हैं। ऐसे में पशु पाले भी कौन। इसके अलावा इन दिनों भारत में जो पशु खास तौर से गायें और गो वंश जब बूढ़ा हो जाता है, तो उन्हें यों ही छोड़ दिया जाता है। वे भूखे मरते हैं। किसानों के लिए ये भारी समस्या भी है। पचास-साठ के दशक में भारतीय रेल ट्रांसफर के वक्त अपने कर्मचारियों को मालगाड़ी के दो डिब्बे सामान ढोने के लिए देती थी। इसे किट-कैटल कहा जाता था। यानी कि अवधारणा यह थी कि कर्मचारियों के सामान में जानवर भी होंगे। अब ऐसा होता है कि नहीं, पता नहीं।

पहलगाम हत्याकांड : हिंसा और आंतकवाद का घृणित स्वरूप

पहलगाम में 28 निर्दोष पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्याकाण्ड को इतिहास में एक बड़ी अमानवीय घटना के रूप में याद किया जाएगा। भारत को चाहिए कि अब इस जहरिली विचारधारा तथा इसके नेपथ्य में जितनी भी संस्थाएं और देश शामिल है उनका समूल्य नाश किया जाना चाहिए, तब जाकर इन निर्दोष 28 व्यक्तियों की हत्या का बदला माना जाएगा। विचारधारा तथा मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है, बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक, सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है। ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट, हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं, यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है।

कश्मीर में आतंकवाद समाप्ति का दावा, पहलगाम हमले से खामी उजागर, शरद पवार ने उठाए सवाल

- शरद पवार ने पहलगाम हमले पर सुरक्षा में चूक की बात की
- आतंकवाद के खिलाफ सरकारी दावों पर सवाल उठाए गए
- कश्मीर में पर्यटन पर हमले का नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणेः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार लगातार दावा कर रही है कि कश्मीर में आतंकवाद समाप्त हो गया है। लेकिन पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला सुरक्षा में चूक को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि सुधारात्मक कदम तत्काल उठाए जाने की जरूरत है। पवार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम जैसे सुरक्षित स्थान पर हमले को देखते हुए यह दावा करने में सतर्कता बरते जाने की जरूरत है कि कश्मीर में आतंकवाद समाप्त हो गया है। पवार ने यह भी कहा कि क्योंकि यह आतंकवादी हमला देश के खिलाफ है। इसलिए किसी को भी इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।पहलगाम के निकट बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। पवार ने कहा कि आतंकवादियों की कार्रवाई भारत के खिलाफ है और जब कोई गतिविधि देश के खिलाफ होती है, तो उसका राजनीतिकरण करने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को लेकर चर्चा के लिए गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

पहलगाम अटैक में पर्यटकों को बचाते समय मारे गए आदिल के परिवार को मदद, शिंदे ने कहा- 5 लाख का चेक सौंपा

> महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आतंकवादी हमले में पर्यटकों की जान बचाने का प्रयास करने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार को पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। खच्चर सेवा मुहैया कराने वाले शाह ने पहलगाम आतंकवादी हमले के दौरान पर्यटकों को बचाते हुए अपनी जान दे दी।

उपमुख्यमंत्री ने शाह के परिवार को 5 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणेः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आतंकवादी हमले में पर्यटकों की जान बचाने का प्रयास करने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार को पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। खच्चर सेवा मुहैया कराने वाले शाह ने पहलगाम आतंकवादी हमले के दौरान पर्यटकों को बचाते हुए अपनी जान दे दी। वह अपने परिवार में कमाने वाले एकमात्र सदस्य थे। शाह दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में पर्यटकों को खच्चर की सवारी कराकर अपनी आजीविका चलाते थे, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

क्यों की गई मदद?

खबरों के मुताबिक 20 साल के आदिल शाह ने उसके घोड़े पर यात्रा कर रहे एक पर्यटक को बचाने की कोशिश की और यहां तक कि एक आतंकवादी से उसकी राइफल छीनने का भी प्रयास किया। एकनाथ शिंदे के ठाणे स्थित कार्यालय से जारी एक आधिकारिक रिलीज के मुताबिक उपमुख्यमंत्री ने शाह के साहसिक कार्य से प्रभावित होकर उनके परिवार को व्यक्तिगत रूप से सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया। शिंदे महाराष्ट्र के फंसे हुए पर्यटकों की सहायता के लिए 23 अप्रैल को श्रीनगर में थे।

शाह परिवार को 5 लाख रुपये का चेक सौंपा

रिलीज में कहा गया है कि शिंदे की अध्यक्षता वाले शिवसेना के कार्यकताओं और सीमा संगठन के अधिकारियों ने शाह परिवार को पांच लाख रुपये का चेक सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए शाह के परिवार से भी बात की और संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा उन्हें सांत्वना दी। बातचीत के दौरान उनके शाह के भाई ने हमले की भयावहता साझा की और पर्यटकों को बचाने के लिए युवक द्वारा किए गए साहसिक कार्यों की जानकारी दी।

बेटे का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

शिंदे ने शाह के अदम्य साहस और मानवता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसका यह कदम दुनिया के लिए एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया कि उनके बेटे का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। विज्ञप्ति के मुताबिक शिंदे ने शाह के जीर्ण-शीर्ण घर के पुनर्निर्माण में मदद कर परिवार को आगे भी सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई।

फास्ट ट्रैक

शनिवार को स्व.चंद्रशेखर आर शुक्ल की शोक सभा घाटकोपर पूर्व में रखी गई है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क / आदेश मिश्र

मुंबई/ श्री रामलीला उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष व प्रमुख मार्गदर्शक एवं लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हम सब के अभिभावक हजारों गरीब कन्याओं का विवाह कराने वाले बड़े भाई स्व.चन्द्रशेखर आर शुक्ल का गत दिनों आकस्मिक निधन हो गया था ।जिनकी शोक सभा (श्रद्धांजलि) उनके ज्येष्ठ सुपुत्र समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल रिंकू और छोटे सुपुत्र प्रशांत शुक्ल एवं ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल के संयोजन में दिनांक 26 अप्रैल दिन शनिवार को लायंस कम्युनिटी हॉल गरोडीया नगर घाटकोपर पूर्व मुंबई में शाम 4. बजे से 6 बजे तक आयोजित किया गया है। समिति के सचिव दिवाकर मिश्र, कोषाध्यक्ष एस पी सिंह और समिति के आदेश मिश्र ने समस्त शुभचिंतको, समर्थकों तथा समिति के सभी पदाधिकारियों से विनम्र अपील कि है कि आप सब शोक सभा में उपस्थित होकर स्वर्गीय श्री शुक्ल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

पश्चिम रेलवे आखातीज दिवस के अवसर पर चलाएगी बांद्रा टर्मिनस और भावनगर टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा आखातीज त्योहार के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस और भावनगर टर्मिनस स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09013/09014 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09013 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:00 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09014 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 30 अप्रैल, 2025 को भावनगर टर्मिनस से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद जं., धोला जं., सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3 टियर और एसी चेयर कार कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09013 एवं 09014 की बुकिंग 26 अप्रैल, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

48 घंटे में महाराष्ट्र छोड़ें पाकिस्तानी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का सख्त फरमान

मुख्यमंत्री ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में छोड़ने का आदेश दिया

- सर्वदलीय बैठक में शिवसेना उद्धव गुट का न होना आलोचना का विषय बना
- राहुल गांधी को वीर सावरकर पर बयान देने पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे अंदर महाराष्ट्र छोड़ने के लिए कहा है। यदि इसके बाद भी वे रूके तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री फडणवीस ने सर्वदलीय बैठक में उद्धव सेना के शामिल नहीं होने पर आलोचना की। शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में 28 मासूम पर्यटकों की मौत हो गई है। इसमें सबसे अधिक 6 पर्यटक महाराष्ट्र के हैं। आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करने का निर्णय लिया है।

पाकिस्तानी नागरिकों की लिस्ट तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पाकिस्तानी नागरिकों की लिस्ट तैयार की है। यह लिस्ट पुलिस स्टेशनों को दे दी गई है। कोई भी पाकिस्तानी वीजा लेकर 48 घंटे ये ज्यादा यहां नहीं रुके, इसकी निगरानी की जाएगी। इसके बाद भी लोग रूकेंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में उनकी गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा हुई है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी अभिनेताओं और खिलाड़ियों को लेकर हमारे मन में कोई सहानुभूति नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जो भी बोलते हैं, वे करते हैं। जब-जब हमला हुआ है, पीएम मोदी ने करारा जवाब दिया है।

शिवसेना यूबीटी पर साधा निशाना

पहलगाम हमले को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के न शामिल होने पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस देश का इतिहास रहा है कि जब भी बात देश की आती है, तब सभी राजनीतिक दल एक साथ खड़े होते हैं।

एकनाथ शिंदे पर 'गद्दार' कमेंट के लिए कुणाल कामरा को राहत, बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- नहीं होगी गिरफ्तारी

- बॉम्बे हाई कोर्ट ने कुणाल कामरा को गिरफ्तारी से राहत दी
- कामरा का बयान चेन्नई में स्थानीय पुलिस के सहयोग से लिया जाएगा
- मुंबई पुलिस ने कामरा पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप लगाया है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नाम लिए बगैर उन पर की गई टिप्पणी मामले में स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाई कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने कामरा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई पुलिस को आदेश दिया कि उनके ह्यगद्दारह्न कमेंट को लेकर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर मामले में गिरफ्तार न किया जाए। इसके साथ ही कोर्ट से मुंबई पुलिस को चेन्नई में कुणाल कामरा से पूछताछ की अनुमति भी मिली है। अब मुंबई पुलिस चेन्नई जाकर स्थानीय पुलिस की मदद से कामरा का बयान दर्ज करेगी ।जस्टिस सारंग कोतवाल और एसएम मोदक की बेंच ने ये आदेश सुनाया है। बेंच ने कहा कि खार में दर्ज मामले में याचिकाकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। मामले की जांच जारी रह सकती है। जांच एजेंसी कामरा का बयान चेन्नई में स्थानीय पुलिस की सहायता से पूरी कर सकती है। इससे पहले 8 अप्रैल को कामरा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई की थी। हाई कोर्ट ने कुणाल को 16 अप्रैल तक संरक्षण प्रदान किया और सभी सरकारी पक्ष से नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा था ।कुणाल कामरा पर कितने मामले ?ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन के अधिकार के मौलिक अधिकार के आधार पर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। दरअसल मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में कुणाल कामरा के खिलाफ तीन अलग-अलग मामले दर्ज हैं। इन तीनों मामलों में महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों से जीरो एफआईआर के तहत शिकायतें मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर की गई हैं। यह एफआईआर बुलढाना, नासिक और ठाणे जिलों से दर्ज की गई थीं और अब इनकी जांच मुंबई के खार पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है

मुंबई पुलिस ने क्या आरोप लगाए ?मुंबई पुलिस के अनुसार कामरा पर आरोप है कि उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस संबंध में कुणाल कामरा को तीन बार पूछताछ के लिए बुलाया गया, लेकिन वह पुलिस स्टेशन में उपस्थित नहीं हुए। खार पुलिस हैबिटेट स्टूडियो से जुड़े कई लोगों से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज कर चुकी है।

गाड़ी संख्या 12519 में बिना टिकट यात्रा पर रोकथामः रेलवे कर्मचारियों की टीम ने निभाई सराहनीय भूमिका

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

दिनांक 20 अप्रैल 2025 को गाड़ी संख्या 12519 में यात्रियों को बिना टिकट यात्रा कराए जाने की सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए, भुसावल मंडल की एक 12 सदस्यीय टीम ने प्रभावशाली कार्य किया। यह टीम ट्रेन में अटेंडेंट्स द्वारा टीटीई (ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर) बनकर बिना टिकट यात्रियों को मुंबई से गुवाहाटी और अगरतला तक ले जाने की अनियमित गतिविधियों की जांच में सक्रिय रही ।जांच के दौरान अटेंडेंट्स केवल बेडशीट वितरण तक सीमित न रहते हुए, फर्जी तरीके से टिकट चेकिंग कर यात्रियों से पैसे लेकर उन्हें यात्रा की अनुमति दे रहे थे। इस अनियमितता पर संज्ञान लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक (DRM) भुसावल, श्रीमती इति पांडेय जी एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (Sr. DCM) श्री अजय कुमार जी के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई और दोषियों को भुसावल स्टेशन पर ट्रेन से उतार कर आवश्यक अनुशासनात्मक कदम उठाए गए। उल्लेखनीय कार्य के लिए DRM मैडम एवं Sr. DCM सर द्वारा संबंधित टीम को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान टीम के समर्पण, तत्परता और रेलवे की प्रतिष्ठा बनाए रखने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है ।मध्य रेलवे, भुसावल मंडल इस प्रकार की अनुशासित और सजग कार्यशैली को बढ़ावा देता है तथा यात्रियों को सुरक्षित, पारदर्शी और ईमानदार सेवा प्रदान करने हेतु कटिबद्ध है।

भुलेश्वर के व्यापारियों और निवासियों ने पहलगाम में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क / धर्मेश वकील तरफसे

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मुंबई द्वारा द भूतेश्वर रेजिडेंट्स एसोसिएशन के सहयोग भूतेश्वर के राम मंदिर के सामने जम्मू कश्मीर के पहलगाम मे हुए कायराना आतंकी हमले की घोर निंदा करते हुए एवं इस हमले मे मारे गए सभी निर्दोष भारतीय हिंदू नागरिकों की आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस आयोजन मे अच्छी संख्या मे स्थानिक नागरिक व व्यापारी उपस्थित रहे थे। विशेष रुप से भूतपूर्व नगरसेवक आकाश पुरोहित एवं श्री मुंबादेवी दागीना बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजूभाई सोलंकी उपस्थित रहे थे ।सी पी टैंक स्थित लाड़वाडी के पूर्व अध्यक्ष उमेश थानावाला उपस्थित थे । ऐसा जानीता मीडियाकर्मी खुशी क्रिएशनके धर्मेश वकील ने कहा। इस अवसर पर अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । यह भारत की अस्मिता पर आक्रमण है । हम भारत सरकार से यह निवेदन करते हैं कि ईंट का जवाब पत्थर से देवे एवं पाकिस्तान को आर्थिक रूप से समाप्त कर दें । भारतीय व्यापारी तैयार हैं ।

पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक 3 की तैयारी शुरू, एकनाथ शिंदे का दावा

- एकनाथ शिंदे ने सर्जिकल स्ट्राइक 3 की तैयारी का किया दावा
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि सर्जिकल स्ट्राइक 3 की तैयारी शुरू है। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होनी चाहिए। हम पाकिस्तान की एक भी फिल्म रिलीज नहीं करने देंगे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के अगले कदम का इंतजार है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कड़ी कार्रवाई के संदेश दिए। गुरुवार को एक टीवी चैनल से बात करते हुए डीसीएम शिंदे ने कहा कि जो घटना हुई है, वह निंदनीय है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

क्या बोले एकनाथ शिंदे?

एकनाथ शिंदे ने कहा कि पीएम मोदी ने अब एक्शन लेना शुरू किया है। बड़े एक्शन की तैयारी है। मोदी और अमित शाह जरूर बड़ा कदम उठाएंगे। सर्जिकल स्ट्राइक 3 की तैयारी शुरू है। आतंकी हमले के बाद विपक्ष ने सुरक्षा को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। इस पर डीसीएम शिंदे ने कहा कि जो लोग आलोचना कर रहे हैं, उनके ऊपर अब कुछ नहीं बोलेंगे, यह बात टीका टिप्पणी करने की नहीं है। एक साथ रहने की है ।शिंदे पहुंचे थे श्रीनगर दरअसल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कश्मीर में फंसे राज्य के पर्यटकों की वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाने के मद्देनजर बुधवार को श्रीनगर पहुंचे। मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों में महाराष्ट्र के छह लोग शामिल थे। श्रीनगर में पर्यटकों से मिलने के बाद शिंदे ने कहा था कि महाराष्ट्र के यात्रियों की सुरक्षा और उनके परिवारों का भरोसा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेता हूं कि इस कठिन समय में प्रत्येक नागरिक को पूर्ण सरकारी सहायता मिलती रहे। शिंदे के कार्यालय ने कहा कि वह एक निजी विमान से श्रीनगर पहुंचे।

संरक्षा विभाग के नेतृत्व में रेल कोचों में फायर सेफ्टी से सम्बंधित सेमिनार आयोजित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । पश्चिम मध्य रेलवे के द्वारा रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए दिनांक 18.04.2025 से एक 15 दिवसीय रेलवे कोचों में अग्नि सुरक्षा विषय पर संरक्षा अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान पमरे के तीनों मंडलों में पश्चिम मध्य रेलवे के द्वारा अनुरक्षित एवं इसके क्षेत्र से गुजरने वाली समस्त ट्रेनों के कोचों में अग्नि से बचाव एवं अग्नि दुर्घटना के कारक बनने वाले कारणों की पहचान कर, इसकी रोकथाम हेतु संरक्षा ऑडिट किया जा रहा है। इसी तारतम्य में मुख्यालय की संरक्षा शाखा के द्वारा जबलपुर मंडल के संरक्षा विभाग के साथ सामंजस्य करते हुए रेल कोचों में फायर सेफ्टी से सम्बंधित एक सेमीनार का आयोजन सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट, जबलपुर में किया गया ।इस सेमीनार में जबलपुर मंडल के यांत्रिक, विद्युत, परिचालन, वाणिज्य, आरपीए, एसएण्डटी, लोको रनिंग, इंजीनियरिंग एवं टीआरडी विभाग के 100 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफलपूर्वक आयोजित करने में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, जबलपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।इस अवसर पर प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी के द्वारा अपने उद्बोधन में समस्त रेल कर्मचारियों का आव्हान किया कि यात्रियों एवं रेल सम्पत्ति की सुरक्षा को सर्वोपरी मानते हुए अपना कार्य पूर्ण सजगता एवं सतर्कता के साथ करें तथा ना केवल कोचों में बल्कि रेलवे के अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, रिले रूम, आरआरआई आदि की अग्नि सुरक्षा पर भी बराबरी से ध्यान दें। सेमिनार के अन्तर्गत उप मुख्य संरक्षा अधिकारी (यांत्रिक) के द्वारा कोचों में फायर सेफ्टी पर पॉवर पॉईट प्रेजेंटेशन दिया गया। जिसमें कि केस स्टडी के माध्यम से भारतीय रेलवे में विगत एक वर्ष में घटित अग्नि दुर्घटनाओं का विश्लेषण कर उनके मूल कारणों को विस्तृत रुप से समझाया गया, तथा इनसे जो सबक ग्रहण किये जा सकते हैं, उनकी जानकारी दी गयी। इसके अलावा पार्सल में प्रतिबंधित सामग्री तथा रेड टेरिफ की सूचि में वर्णित अग्नि की दृष्टि से संवेदनशील एवं यात्री ट्रेनों में परिवहन हेतु प्रतिबंधित सामग्री तथा इस प्रकार की सामग्री के परिवहन के संबंध में रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देश की भी जानकारी उपस्थित रेल कर्मचारियों को दी गई।

रेलवे कोचों, पेन्ट्री कार एवं पावर कार आदि में अग्नि से बचाव तथा अग्नि एवं धुंयें का पता लगाने एवं आग को ऑटोमेटिकली बुझाने में सहयोग करने हेतु लगे हुए फायर एवं स्मोक डिटेक्शन प्रणाली तथा फायर डिटेक्शन एवं सप्रेशन प्रणाली तथा ट्रेनों में रखे गये विभिन्न प्रकार के अग्निशामकों का प्रयोग करने के संबंध में उपयोगी वीडियों के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई।

पश्चिम रेलवे-अहमदाबाद मण्डल

साइड पाथवे उपलब्ध कराना

ई-निविदा सूचना सं. 02 वर्ष 2025-26 दिनांक 24.04.2025; (1) ई-निविदा संख्याः DYCE-BR-ADI-02-2025-26; कार्य का नामः (1)अहमदाबाद डिवीजनः वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर (पुल) अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में बैलेंस स्टील पुलों पर साइड पाथवे और निरीक्षण पालना प्रदान करना और (2) भावनगर डिवीजनः वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर (पुल) जूनागढ़ के अधिकार क्षेत्र में पुल संख्या 10, 9, 3, 6, 10, 11, 16, 17, 18, 26, 29, 32, 35, 65, 66, 73, 63, 114, 10 (MG) और 11 (MG) पर साइड पाथवे प्रदान करना। (3) राजकोट डिवीजनः वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर (पुल) राजकोट के अधिकार क्षेत्र के तहत पुल संख्या 13DN, 22DN, 144, 339, 379, 390, 391, 225 UP/DN और 504 पर साइड पाथवे प्रदान करना।; **अनुमानित एनआईटी लागतः** ₹ 18,83,94,566.38/-; **बोली सुरक्षा लागत / ईएमडीः** ₹ 10,92,000.00/-; **ई-निविदा बंद होने की तिथि और समयः दिनांक** 27/05/2025 **को 15:00 बजे। कार्यालय का पताः** उप. मुख्य अभियंता (पुल) अहमदाबाद, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय संकुल, गुजरात कैंसर सोसाइटी हॉस्पिटल के सामने, असारवा, नरोडा रोड, अमदपुरा, अहमदाबाद गुजरात - 380 016 ई-निविदा में भाग लेने हेतू **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** 020

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस और भावनगर टर्मिनस के बीच सुपरफास्ट विशेष ट्रेन का संचालन

ट्रेन सं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09013	बांद्रा (टी) - भावनगर (टी) (सुपरफास्ट स्पेशल)	29.04.2025	19:25 बजे (मंगलवार)	09:00 बजे (अगले दिन)
09014	भावनगर (टी) - बांद्रा (टी) (सुपरफास्ट स्पेशल)	30.04.2025	17:45 बजे (बुधवार)	07:25 बजे (अगले दिन)
हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद, ढोला, सोनगढ़ और सीहोर (गुजरात) स्टेशन।				
संरचनाः एसी 3-टियर और एसी चेयर कार कोच। समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए,				

यात्री कृपया ठहराव और संरचना के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09013 और 09014 के लिए बुकिंग 26.04.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस ने पहलगाम आतंकवादी घटना के विरोध में सोमवार 28 अप्रैल को अंबरनाथ बंद का आह्वान किया

आतंकवादियों ने मानवता का कत्ल किया है – एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा की गई घृणित और कायराना करतूत जिसमें 27 निर्दोष भारतीय पर्यटकों की जान चली गई है के विरोध में अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस की तरफ से सोमवार 28 अप्रैल को अंबरनाथ बंद का आह्वान किया गया है।बंद का ऐलान करते हुए अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल ने कहा कि दहशतगर्दों द्वारा पहलगाम की घटना को अंजाम दिए जाने का हम जोरदार विरोध करते हुए इसके विरोध में सोमवार को अंबरनाथ बंद का ऐलान कर रहे हैं।उन्होंने इस घटना में मारे गए मासूम पर्यटकों को श्रद्धांजलि पेश करते भारत सरकार से अपील की है कि ऐसे दुर्दांत आतंकवादियों को उनके किए की सजा मिलनी चाहिए।इस बंद के समर्थन के लिए हमने सर्वसामाजिक संगठनों,पत्रकार संगठनों,रिक्शा यूनियनों,होटल एसोसिएशन,लेबर फ्रंट,अंबरनाथ व्यापारिक एसोसिएशन,महताडी कामगार संगठनों आदि को सूचना देकर बंद के समर्थन में सहयोग की अपील की है।

पहलगाम हमला: पाकिस्तान के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतरे , इस हमले के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार - डॉ. जितेंद्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में आज राकांपा शरद पवार पार्टी के नेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व में तथा सैयद अली (भाई साहब) की उपस्थिति में मुंब्रा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विरोध आंदोलन किया गया। काले झंडे दिखाते पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाते हुए हजारों मुंब्रा निवासी आतंकवादी कृत्य की निंदा करने के लिए सड़कों पर उतर आए।कश्मीर के पहलगाम जिले में आतंकवादी हमले में करीब 28 लोग मारे गए हैं।एनसीपी-शरद चंद्र पवार पार्टी के कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष शमीम खान और अशरफ शानू पठान की अपील पर हजारों मुंब्रा निवासी हमले की निंदा करने के लिए सड़कों पर उतर आए और अपनी तीव्र भावनाएं व्यक्त कीं।शुक्रवार की नमाज के बाद हजारों लोग कौसा जामा मस्जिद के बाहर एकत्र हुए। प्रदर्शन के बाद उन्होंने

रिजवी बाग मस्जिद, एनसीपी-शरद चंद्र पवार पार्टी कार्यालय और तनवीर नगर में आंदोलन किया। इस अवसर पर शमीम खान ने सड़क जाम कर दिया।नागरिकों ने रशीद कम्पाउंड में भी पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान मुदार्बाद, आतंकवाद को जड़ से मिटाओ, हमारी जान... हिंदुस्तान जैसे नारे लगाए। अवसर पर डॉ. जितेन्द्र आव्हाड ने कहा कि पहलगाम में हुई हत्याओं के लिए आतंकवादी जिम्मेदार हैं और केन्द्र सरकार भी समान रूप से जिम्मेदार है।चरमपंथियों की हिटलिस्ट में शामिल इस परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कमजोर क्यों थी? डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने पूछा कि पहलगाम हमले में शहीद हुए जवानों की शवयात्रा देखकर देश के हर घर में आंसू आ गए थे।इसीलिए मुंब्रा-कौसा में मुस्लिम भाइयों ने नमाज अदा करने के बाद हर चेकपोस्ट पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह आंदोलन मानवता का प्रतीक है। 28 लोगों की मौत के लिए आतंकवादी जिम्मेदार हैं।इसके अलावा, ये सरकारें भी जिम्मेदार हैं।इस माहौल में एक भी सुरक्षा गार्ड नहीं था; क्या इसका मतलब यह है कि निर्दोष नागरिकों को खुले में मरने के लिए छोड़ दिया गया? पाकिस्तान से खतरे के बावजूद सैनिकों को तैनात नहीं किया। सैनिकों की संख्या में दो मिलियन की कमी की गई है।दूसरे शब्दों में, सेना में भर्ती नहीं की जाती है।ऐसा लगता है जैसे भारत ने चीन और पाकिस्तान के साथ शांति समझौते किए हैं।लेकिन, इस सरकार की नीति सवाल न पूछने की है। अब यह स्वीकार किया गया है कि व्यवस्था खराब थी।इसका क्या मतलब है? क्या आपने आतंकवादियों के लिए दरवाजे खुले नहीं छोड़े? इसलिए, गलती के लिए कोई माफी नहीं है। खान ने कहा, ₹भारतीय नागरिक इन कृत्यों को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को कभी माफ नहीं करेंगे।₹ यह घटना प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की लापरवाही के कारण हुई है।जिन आतंकवादियों ने हमारे भाइयों को गोली मारी है।उन्होंने मांग की कि उन्हें भी सड़क पर गोली मार दी जाए।

फास्ट ट्रैक

5 झोपड़ियों में लगी भीषण आग

अल्लाहगंज के भरथौली गांव में अनाज–भूसा समेत घरेलू सामान जलकर राख

जलालाबाद, थाना अल्लाहगंज क्षेत्र के गांव भरथौली में भीषण आग लग गई।राजीव के कंडे के बठिया में अज्ञात कारणों से शुरू हुई आग तेज हवा के कारण आसपास की झोपड़ियों तक फैल गई।आग की चपेट में सेवाराम, राजीव, कमलेश, मदनपाल और धनपाल की झोपड़ियां आ गईं। इन झोपड़ियों में रखा भूसा, अनाज, बिस्तर, चारपाई सहित अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया।आग लगने की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास करने लगे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया।दमकल विभाग की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।ग्रामीणों ने भी खेतों में लगे समरसिबल से पानी की मदद से आग बुझाने में सहयोग किया।हलका लेखपाल मोहम्मद आजम ने बताया कि वे मौके का निरीक्षण कर तहसील प्रशासन को रिपोर्ट भेजेंगे।

आतंक को रोकना और कश्मीरी पंडितों के अधिकारों के लिए संघर्ष आवश्यक :ओमप्रकाश शर्मा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,कश्मीरी पंडितों के अधिकारों के लिए ठाणे से आंदोलन का नेतृत्व करने वाले प्रमुख समाजसेवी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय परिषद के पूर्व सदस्य ओम प्रकाश शर्मा ने उस संघर्ष को याद करते हुए कहा कि न्याय के लिए आंदोलन 1952 में शुरू हुआ और आज भी जारी है।पहलगांव की आतंकी हमले में करीब 27 पर्यटकों की हुई हत्या की घटना बहुत ही शर्मनाक और निंदनीय है, इसका हम घोर निषेध करते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार और नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर में शांति के लिए उठाए गए कदमों से बहुत सुधार आया है इसके बावजूद पड़ोसी राष्ट्र पाकिस्तान आतंक की छिट पुट घटनाओं को अंजाम देने का घिनौना कार्य कने में लगा है। उसने अपनी आतंकी गतिविधियों को बंद नहीं किया तो उसे मुंह तोड़ जवाब देना पड़ेगा। सत्याग्रह आंदोलन में अपनी भागीदारी के बारे में बताते हुए शर्मा ने विस्थापित कश्मीरी पंडितों के अधिकारों और सम्मान को सुरक्षित करने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1952 में श्रीनगर में आंदोलन शुरू किया। कश्मीर का मुद्दा भारतीय जनसंघ के एजेंडे में था। भाजपा की स्थापना के बाद उसने अपने पांच प्रमुख मुद्दों में कश्मीर को अपने एजेंडे में रखा।हमारा नारा था , जहां शहीद हुए श्यामा प्रसाद मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है।कश्मीरी पंडितों के पलायन के बाद पूरे देश में आंदोलन शुरू हुआ।महाराष्ट्र की ओर से 1987 में हुए डोंडा बचाओ आंदोलन का ठाणे जिले का नेतृत्व करने वाले शर्मा ने बताया कि हमें एयरपोर्ट गिरफ्तार का पाकिस्तान से 7 किमी दूरी पर बनी जेल में बंद कर दिया। तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष चमनलाल गुप्ता ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया तो 3 दिन बाद हमें पुलिस ने रिहा किया।चमनलाल गुप्ता ने कहा कि हम कश्मीरी खुद को अकेला समझ रहे थे आज आप सबके साथ आने हमें लगा कि हम हिंदुस्तान में ही हैं।पलायन कर रहे कश्मीरी पंडितों के लिए आरएसएस ने व्यवस्था किया था जहां से वे अपने करीबियों के जा रहे थे जिसमें अधिक संख्या दिल्ली जाने वालों की थी।आज भी करीब दो लाख कश्मीरी पंडित विस्थापित जीवन जीने के लिए मजबूर है। शर्मा ने कहा कि कश्मीर को भारत में पूरी तरह से एकीकृत करने की मांग के साथ प्रतिरोध के बीज बोए गए थे।शर्मा ने कहा कि मुखर्जी का प्रतिष्ठित नारा एकजुट भारत के लिए साझा एजेंडा आज भी राष्ट्रवादी हलकों में गूंजता है। उन्होंने कहा, हजारों कश्मीरी पंडितों को भगा दिया गया, उनके घर जला दिए गए और दशकों से उनका जीवन उजड़ गया।ह्व 1988 की एक बड़ी घटना को याद करते हुए शर्मा ने कहा कि वह ह्यडोडा बचाओ, कश्मीरी पंडित बचाओह्व के बैनर तले गोपीनाथ मुंडे के नेतृत्व में महाराष्ट्र से आए एक विशेष प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। समूह ने जम्मू में आंदोलन किया और सुषमा स्वराज सहित केंद्रीय भाजपा नेताओं ने उनका साथ दिया। शर्मा ने जोर देकर कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और उन्होंने नई पीढ़ी से न्याय और एकीकरण की मशाल को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

अंबरनाथ शहर भाजपा इकाई ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

- नापाक आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा, खून का बदला खून से लिया जाएगा– गुलाबराव करंजुले पाटील
- दहशतगर्दों के हमले में मारे गए 28 निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
- शिवाजी चौक से हुतात्मा चौक तक निकाला गया मौन कैंडल मार्च।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. मंगलवार 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम के बेसरन मैदान में हुए पाक समर्थित आतंकवादियों के कायराना हमले में 28 निर्दोष भारतीय हिंदू पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई जिससे संपूर्ण देशभर में दर्द और आक्रोश की लहर फैल गई।इस दर्दनाक घटना की पृष्ठभूमि में गुरुवार 24 अप्रैल को सायंकाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और भाजपा महाराष्ट्र राज्य महासचिव गुलाबराव करंजुले पाटिल के मार्गदर्शन में भाजपा शहर अध्यक्ष विश्वजीत करंजुले पाटिल के नेतृत्व में अंबरनाथ (पूर्व) के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से हुतात्मा चौक तक एक मौन कैंडल मार्च निकाला गया।उपस्थित लोगों ने काली पट्टियाँ पहनीं, हाथों में मोमबत्तियाँ जलाईं और वंदे मातरम और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए,पाकिस्तानी झंडे को जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।भाजपा के इस कैंडल मार्च में अंबरनाथ ब्राह्मण संघ,श्री हेरंब सेवा समिति, ब्राह्मण सभा अंबरनाथ और अंबरनाथ के आम नागरिक भी शामिल हुए। कैंडल मार्च में शामिल सभी लोगों ने मारे गए निर्दोष पर्यटकों के सम्मान में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी अर्पित की ।भाजपा महाराष्ट्र राज्य महासचिव गुलाबराव करंजुले पाटिल ने केंद्र सरकार की तरफ से अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि नापाक दहशतगर्दों ने 28 निर्दोष पर्यटकों को मारा हम ऐसे चौगुने दुर्दांत आतंकियों को मारेंगे।हमारा पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान जिसे हमने कोरोना काल जैसे समय में मदद की है।ये हर समय हमारे पीठ में छुरा भौंकने का काम करता है।हम भारतीय मुसलमानों के विरोध में नहीं हैं बल्कि हमारा विरोध पाकिस्तान और उसके द्वारा भेजे गए आतंकियों से है।धर्म पूछ पूछ कर मारना यह कितनी घृणित और कायराना पूर्ण घटना है। पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना होगा।हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह चुप नहीं बैठेंगे।ईट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा।इस कैंडल मार्च में अंबरनाथ पूर्व के भाजपा शहर विश्वजीत करंजुले पाटिल, बागेश्वर धाम महाराष्ट्र राज्य संयोजक अभिजीत करुंजले पाटिल, भाजपा के अंबरनाथ पश्चिम के शहर अध्यक्ष लक्ष्मण पंत, प्रजेश तेलंगे, राजेंद्र अप्पा कुलकर्णी, संजय अदक, सुजाता भोईर, कंचन मिश्रा आदि नेतागण और सैंकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकताओं के साथ आम नागरिक भी उपस्थित थे।

पहलगांव आतंकी हमले का विरोध

पुवायां में हिंदू संगठनों ने पाकिस्तानी झंडा और पुतला फूंका, कड़ी कार्रवाई की मांग

शाहजहांपुर , पुवायां नगर में हिंदू संगठनों ने पहलगांव आतंकी हमले का विरोध किया।राजीव चौक पर एकत्रित होकर उन्होंने पाकिस्तान का झंडा और पुतला जलाया। विश्व हिंदू परिषद के ब्रज प्रांत के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजीव सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता हरे राम पक्का तालाब पर जमा हुए।उन्होंने नारेबाजी के साथ विरोध प्रदर्शन किया। राजीव सिंह ने कहा कि पहलगांव में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पर्यटकों की धर्म के आधार पर हत्या की।उन्होंने 26 पर्यटकों की हत्या को कायराना हरकत बताया।प्रदर्शनकारियों ने आतंकवादियों को पकड़कर फांसी देने की मांग की। साथ ही सरकार से पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग की।उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई हो जिससे पाकिस्तान भविष्य में भारत के खिलाफ ऐसी हरकत न कर सके।

उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बच्चों को कांपी और स्टेशनरी कीट वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र) मान्धाता ग्राम सभा बरिस्ता के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों को उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा कांपी और स्टेशनरी किट का वितरण किया गया।ग्राम सभा बरिस्ता के बरियार पुर पुरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा कांपी और स्टेशनरी किट करने के लिए पीसीएस अधिकारी प्रदीप सिंह, रिटायर शिक्षक और ग्राम सभा बरिस्ता के वरिष्ठ समाजसेवी भुवनेश्वर सिंह (गोपाल सिंह), मुक्तेश्वर सिंह (सुभाष सिंह), पहुंचे और विद्यालय के बच्चों को कांपी और स्टेशनरी किट वितरण करने के साथ साथ अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा जीवन का अहम हिस्सा है।बगैर शिक्षा के व्यक्ति और समाज अधूरा है शिक्षा के प्रति हमारी मेहनत और लग्न गांव, समाज और देश में हमे एक अलग मुकाम दे सकती हैं।बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करना चाहिए , पीसीएस अधिकारी प्रदीप सिंह ने कहा कि उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट गरीब जरूरतमंद के लिए हमेशा खड़ा और उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट आपके गांव का है शिक्षा से संबंधित समस्या हो बेहिचक सपंर्क कीजिए यथासंभव सहयोग किया जायेगा।इस अवसर पर शिक्षक,कवि अखिलेश पांडेय ने कहा कि गांव समाज को प्रदीप सिंह जैसे लोगों की जरूरत है जो गांव से दूर रहकर भी गांव समाज के बारे में सोचते हैं, इस तरह के सोच वाले दो चार लोग गांव समाज में सक्रिय हो जाएं तो गांव समाज की दिशा और दशा बदल सकती है। प्रधानाध्यापक सुभाष पांडेय ने उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा शुरू किए गए इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट की टीम का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने करतल ध्वनि से सभी मेहमानों का स्वागत किया, कार्यक्रम का सफल और सुंदर संचालन शिक्षक, कवि अखिलेश पाण्डेय ने किया।रहेगा स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट प्राथमिकता के आधार पर सहयोग करेगा, पीसीएस अधिकारी प्रदीप सिंह ने बच्चों से खुलकर कहा कि हम आपके गांव के है

शराबी पिता ने 7 साल के बेटे की हत्या की

शाहजहांपुर में पैर से गला दबाया, मां एक महीने से मायके में, आरोपी गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर , थाना जलालाबाद क्षेत्र के गांव हरेवा में एक पिता ने शराब के नशे में अपने 7 वर्षीय बेटे की हत्या कर दी। यह घटना है।आरोपी विनोद कुमार नशे की हालत में अपने तीन बच्चों के साथ घर में था।इसी दौरान उसने अपने बड़े बेटे नितेश के गले पर पैर रखकर उसकी जान ले ली। परिजन बच्चे को जलालाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए।डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।ग्रामीणों के अनुसार, विनोद की पत्नी स्नेह लता उसकी शराब की लत से परेशान होकर एक महीने पहले मायके चली गई थी। वह अपने तीनों बच्चों नितेश, प्रतिज्ञा और प्रशांत को पति के पास छोड़ गई थी।पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की हत्या के विरोध में अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज ने किया विरोध प्रदर्शन

अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट मुस्लिम जमात अंबरनाथ के जेरे निगरानी जुमें की नमाज के बाद किया गया विरोध प्रदर्शन।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमलों में निर्दोष पर्यटकों की हत्या किए जाने की घटना के विरोध में अंबरनाथ के अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के लोगों ने शुक्रवार को नमाज के बाद जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट मुस्लिम जमात अंबरनाथ के बैनर तलेशुक्रवार को जुमें की नमाज के बाद मदीना मस्जिद कैलाश नगर,जामा मस्जिद खूंटवली और दरगाह मस्जिद कोहोजगांव में सैंकड़ों की संख्या में अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के लोगों ने पाकिस्तान और आतंकवादियों के विरोध में नारेबाजी की।प्रशासन और सरकार से मांग की है कि इन आतंकवादियों को सजा दी जाए और उनको भी घर में घुसकर मारा जाए।इस नापाक हमले में शहीद हुए मासूम पर्यटकों को मस्जिदों में खिराज ए तहसीन (भावपूर्ण श्रद्धांजलि) भी पेश की गई।ट्रस्ट के सभी अहम लोगों ने लोगों से अपील की है कि हमें अपने देश में भाईचारे और परस्पर सौहार्द के साथ रहना है। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देकर हिंदू मुस्लिम एकता के साथ रहना है।इस अवसर पर अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट के सदर हाजी सलीम जिंदावली चौधरी,कार्याध्यक्ष आरिफ काजी,पूर्व नगरसेवक और ट्रस्टी बिस्मिल्लाह शेख,ख्वाजा युनुस चौधरी,अरबाज कुरैशी आदि उपस्थित रहे।

नवविवाहिता की मौत

पति ने पुलिस को बिना बताए फंदे से उतारा शव, तीन महीने पहले हुई थी शादी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, चौक कोतवाली क्षेत्र के अजीजगंज में एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। अमित शर्मा की पत्नी आशिना का शव मकान के बरामदे में चुन्नी के सहारे पंखे से लटका हुआ था।पति ने पुलिस को सूचना दिए बिना शव को फंदे से उतार लिया।मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी राजीव तोमर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पति से पूछताछ शुरू कर दी है।मृतका का मायका मोहम्मदी में बताया जा रहा है।तीन महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी।शादी से पहले पति दिल्ली में काम करता था।शादी के बाद से वह शाहजहांपुर में रह रहा था।महिला ने फांसी क्यों लगाई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।पुलिस ने जांच शुरू कर मायके पक्ष को सूचना दे दी है।

तीन गरीब कन्याओं का विवाह

मानव जीवन कल्याण समिति ने दहेज मुक्त शादी कराई, वर–वधू को दिए उपहार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, तिलहर नगर में मानव जीवन कल्याण समिति ने एक सराहनीय पहल की।समिति ने शुक्रवार को रामलीला मैदान पर तीन गरीब कन्याओं का दहेज मुक्त विवाह कराया।पंडित नवनीत शर्मा ने वैदिक रीति-रिवाज से विवाह संपन्न कराए। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और भाजपा नेता अजय प्रताप सिंह यादव उपस्थित रहे।उन्होंने समिति के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सहयोग का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय गौ रक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पंडित अजीत शर्मा ने कहा कि यह कार्य वर-वधू दोनों पक्षों के लिए राहतदायक है।नवविवाहित जोड़ों को पंडित अजीत शर्मा, व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सौरभ गुप्ता समेत कई लोगों ने उपहार दिए।समिति के सदस्यों ने भी वर-वधू को उपहार प्रदान किए। समिति के अध्यक्ष सुरेश शर्मा उर्फ पप्पू शर्मा ने बताया कि यह समिति का पहला आयोजन था।उन्होंने कहा कि समिति का गठन बिना किसी भेदभाव के सामाजिक कार्य करने के लिए किया गया है।जन सहयोग और ईश्वर के आशीर्वाद से भविष्य में बड़े आयोजन करने की योजना है।

महिला डॉक्टर ने पति पर लगाए गंभीर आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक महिला डॉक्टर ने अपने डॉक्टर पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। चौक कोतवाली क्षेत्र के नवादा इंदेपुर की डॉक्टर दीपिका अग्रवाल ने बताया कि उनकी शादी 2014 में बिहार के एक डॉक्टर से हुई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उनके पति की फिलिपिन्स की एक महिला से अवैध संबंध हैं, जिसके उनके पास साक्ष्य मौजूद हैं। पति ने शादी के बाद कार की मांग की और गर्भपात के लिए दबाव बनाया।उन्होंने पीड़िता के नाम से हेल्थ केयर सेंटर खोला, जहां कर्मचारियों से उनको प्रताड़ित करवाया जाता था। अस्पताल में कर्मचारी शराब पीकर आते हैं और महिलाओं से छेड़छाड़ करते हैं।पीड़िता को रास्ते में रोककर धमकी दी गई और रंगदारी मांगी गई। कुछ दिन पहले उनके मकान के बाहर खड़ी कार को अज्ञात बाइक सवारों ने क्षतिग्रस्त कर दिया।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने आतंकियों को फ्रीडम फाइटर्स बताया

पहलगाम घटना पर कहा- भारत अपनी नाकामी छिपाने के लिए पाक पर इल्जाम लगा रहा

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहलगाम हमले के आतंकियों को स्वतंत्रता सेनानी कहा है। डार ने कहा- हमें शुक्रगुजार होना चाहिए कि ये तो फ्रीडम फाइटर्स भी हो सकते हैं। हालांकि, हम नहीं जानते कि ये कौन हैं। मुझे लगता है कि वे अपनी नाकामी और अपनी घरेलू राजनीति के लिए पाकिस्तान पर इल्जाम लगा रहे हैं। इशाक डार पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत के पास इस हमले में पाकिस्तान के शामिल होने का कोई सबूत है तो इसे दुनिया के सामने पेश करे। डार ने कहा कि भारत बार-बार पाकिस्तान पर ऐसी घटनाओं का आरोप लगाता रहा है। इस बार भी भारत ने वही खेल खेला है। डार ने कहा, इन हालात को देखते हुए मैंने बांग्लादेश और अफगानिस्तान की अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं, ताकि हम कूटनीतिक प्रतिक्रिया तैयार कर सकें। भारत की बढ़ती आक्रामकता को लेकर विदेश मंत्री डार ने कहा कि पाकिस्तान भी भारत की तरह कदम

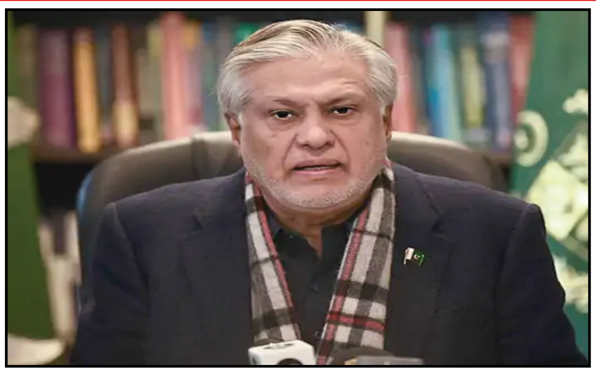

उठाएगा। पाकिस्तानी सीनेट ने एक बिल पास कर पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान पर लगाने की भारत की कोशिश को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार ने ये रेजोल्यूशन पेश किया, जिसे संसद के ऊपरी सदन में सभी पार्टियों का समर्थन मिला। इस रेजोल्यूशन में कहा गया कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए किसी भी तरह के हमले, आतंकवाद या सैन्य उकसावे से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस रेजोल्यूशन में पाकिस्तान को इस हमले से जोड़ने की सभी बेतुकी और बेबुनियादी कोशिशों को भी खारिज कर दिया गया और कहा गया कि मासूमों की हत्या करना पाकिस्तान के उसूलों के खिलाफ है। पाकिस्तान ने छवि खराब करने के लिए भारत सरकार की तरफ से चलाए जा रहे कैंपेन को भी गलत बताया। इस प्रस्ताव में भारत की तरफ से सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा की भी निंदा की गई और कहा गया कि यह कदम एक्ट ऑफ वॉर यानी युद्ध की कार्यवाही जैसा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा कि अगर कोई भी दुस्साहस करने की कोशिश करता है तो पाकिस्तान की सेना ऐसी चुनौती का जवाब देने के लिए तैयार है। डार ने कहा कि वे पहले भी कोशिश कर चुके हैं और फेल रहे हैं।

इसलिए इस बार उनके लिए यह और भी बुरा होगा। डार ने सिंधु जल समझौता रद्द करने पर भारत को चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि यह जंग के समान है। उन्होंने कहा- पाकिस्तान में 24 करोड़ लोगों को पानी की जरूरत है। आप इसे रोक नहीं सकते। इस पर अगर भारत पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो यह जंग के समान माना जाएगा। इस मौके पर पाकिस्तानी विदेश मंत्री के साथ रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी मौजूद थे। उन्होंने साफ किया कि अभी तक भारत सरकार ने पहलगाम घटना के लिए सीधेतौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया है, लेकिन भारतीय मीडिया और बाकी लोग ऐसा कर रहे हैं। आसिफ ने कहा कि अगर भारत आधिकारिक तौर पर इस घटना में पाकिस्तान का नाम लेता है तो देश इसका करारा जबाव देगा। न तो भारत और न ही दुनिया को इस पर कोई संदेह होना चाहिए। पाकिस्तान को अपनी हिफाजत करने का पूरा अधिकार है। जब बात हमारी जमीन की हो तो हम किसी के आगे भी नहीं झुकेंगे।

चीनी कंपनियों ने सोशल मीडिया पर छेड़ा नया ट्रेड वॉर

वीडियो के जरिये अमेरिकियों को सीधे प्रोडक्ट बेच रहे, 26 गुना तक कम दाम

एजेंसी

वॉशिंगटन, ट्रेड वॉर अब सिर्फ टैरिफ और कूटनीति तक सीमित नहीं रही। चीन की फैक्ट्रियां अब सोशल मीडिया को नया हथियार बना रही हैं। वे टिकटॉक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो के जरिए अमेरिकी ग्राहकों को सीधे फैक्ट्री से प्रोडक्ट खरीदने के लिए प्रेरित कर रही हैं। डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन भले ही चीन पर 245% टैरिफ लगाकर उसे झुकाने की कोशिश कर रही हो, लेकिन चीन की कंपनियां अमेरिकी उपभोक्ताओं से सीधे कह रही हैं- ब्रांड को भूलो, फैक्ट्री से सीधे वही सामान खरीदो। वो भी

काफी कम दाम में। चीन की कंपनियां अमेरिका में बिक रहे प्रोडक्ट की तुलना में 26 गुना तक कम कीमतों में सामान देने का वादा कर रही हैं। चीन के टिकटॉक यूजर वांग सेन के वीडियो को 2 करोड़ बार देखा जा चुका है। वीडियो में वे खुद को मूल निमार्ता बताते हैं और हर्मेस जैसे महंगे ब्रांड के बैग्स दिखाते हैं। वह कहते हैं, आप सीधे हमसे क्यों नहीं खरीदते? वह अमेरिका में 1 लाख में बिकने वाले प्रोडक्ट को 5 हजार में देने का दावा करते हैं। एक अन्य यूजर ह्यूआंग शी शनैल व बीरकेनस्टॉक जैसे ब्रांड्स के प्रोडक्ट भी काफी कम कीमत में देने की बात करता है। फिलहाल 60 हजार रु. से कम के पार्सल पर अमेरिका में डी मीनीमिस एक्जम्पशन नीति के तहत कस्टम ड्यूटी नहीं लगती। इसी लूपहोल के जरिए टेमू, अली एक्सप्रेस जैसे शॉपिंग प्लेटफॉर्म सीधे अमेरिकियों तक पहुंच रहे हैं। इसके अलावा फैक्ट्रियां टिकटॉक व अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से भी सीधे प्रोडक्ट बेच रही हैं। हालांकि, अब ट्रम्प प्रशासन इस छूट को खत्म करने की योजना बना रहा है। चीन की ग्वांगझोऊ, शेन्जेन और यीवू जैसी जगहों की फैक्ट्रियां अब कर्मचारियों को सोशल मीडिया की ट्रेनिंग दे रही हैं। इसके अलावा उपभोक्ता को लाइव प्रोडक्ट डेमो दे रही हैं।

कंपनियां अपने स्टाफ को ही टिकटॉक इन्फ्लुएंसर बना रही हैं। इस रणनीति को फैक्टरी टू कंज्यूमर मॉडल कहते हैं। उदाहरण के लिए एक फैक्ट्री जो आमतौर पर प्राइवेट लेबल को बैग बेचती थी, अब वह सोशल मीडिया के जरिये सीधे ग्राहकों वीडियो बनाकर बेच रही है।

मेलोनी ने पहलगाम हमले पर पीएम मोदी से बात की

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन जताया; फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने भी फोन किया

एजेंसी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गुरुवार रात प्रधानमंत्री मोदी से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इटली के पूर्ण समर्थन की बात दोहराई। पीएम मोदी ने उनके इस समर्थन और आतंक के खिलाफ स्पष्ट संदेश की सराहना की। मेलोनी के अलावा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी पीएम मोदी से फोन पर बात की। कीर स्टार्मर ने कहा कि इस आतंकी हमले से वे बेहद परेशान हैं। उन्होंने ये भी कहा कि वे पीएम मोदी से लगातार संपर्क में बने रहेंगे। उन्होंने ब्रिटेन के सभी लोगों की तरफ से इस हमले में प्रभावित हुए लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं। वहीं, मैक्रों ने हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताते हुए कहा कि फ्रांस और उसके सहयोगी आतंकवाद के खिलाफ जहां भी जरूरत होगी, लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई बातचीत की जानकारी हिंदी में एक्स पर पोस्ट की। ब्रिटिश संसद में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मामला गूंजा। सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी और ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने गुरुवार

(24 अप्रैल) को संसद में इस मुद्दे को उठाया और इसे कायरतापूर्ण, भयंकर और चौंकाने वाला आतंकी हमला करार दिया। सांसद ढेसी ने कहा, ₹मैं कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले से बेहद दुखी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।₹ उन्होंने संसद में मौजूद सदन के नेता से अनुरोध किया कि वे इस अवसर पर भारतीय लोगों के प्रति ब्रिटिश संसद की संवेदना व्यक्त करें और इस अमानवीय हमले की कड़ी निंदा करें। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भारत और पाकिस्तान की सरकारों से संयम बरतने और हालात को और बिगड़ने से रोकने की अपील की है। गुटेरस के प्रवक्ता स्टेफन दुजारिक ने बताया कि वठ महासचिव दोनों देशों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने जर्मनी, जापान, पोलैंड, ब्रिटेन और रूस समेत कई देशों के राजदूतों के साथ दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में मंत्रालय दफ्तर में मीटिंग की थी। इसमें विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने पहलगाम हमले पर इन देशों के राजदूतों को विस्तृत जानकारी दी थी। गुरुवार को इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने फोन पर ढट मोदी से बात भी की। इजराइली पीएम ने कहा कि हम भारत के लोगों के साथ हैं। पीड़ितों के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। रूसी मीडिया रशिया टुडे ने मौजूदा हालात को देखते हुए दावा किया है कि भारत कुछ बड़ा करने वाला है।

पहलगाम हमला, ब्रिटिश सांसदों ने लश्कर-ए-तैयबा को ठहराया जिम्मेदार

संसद में बोले- सरकार आतंकियों को पकड़ने के लिए भारत का समर्थन करे

एजेंसी

अमृतसर, ब्रिटिश की संसद में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला गूंजा। सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी और बॉब ब्लैकमैन ने गुरुवार (24 अप्रैल) को संसद में इस मुद्दे को उठाया और इसे कायरतापूर्ण, घातक और चौंकाने वाला आतंकी हमला बताया। सांसद ढेसी ने कहा मैं इस सप्ताह कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण और घातक आतंकी हमले से बहुत दुखी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के लिए

हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्होंने संसद में मौजूद सदन के नेता से अपील की कि वे इस अवसर पर भारतीय लोगों के प्रति ब्रिटिश संसद की संवेदना व्यक्त करें और इस अमानवीय हमले की कड़ी निंदा करें। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा- पहलगाम में हिंदू टूरिस्टों पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। मेरी गहरी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे जिस आतंकवादी संगठन का हाथ है, वह लश्कर-ए-तैयबा है। ये पाकिस्तानी संगठन है, जो जम्मू-कश्मीर में निर्दोष लोगों को जानबूझकर निशाना बनाता है। मेरी सरकार से अपील है कि वह इन आतंकियों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कठघरे में लाने में भारत का पूर्ण समर्थन करे। सांसद ढेसी की बात का समर्थन करते हुए ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स की नेता लूसी पॉवेल ने कहा बिल्कुल, मैं सांसद ढेसी को यह मुद्दा उठाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। कश्मीर में हुआ यह आतंकवादी हमला वास्तव में भयावह और विनाशकारी है।

यह एक कायराना हरकत थी। मेरी संवेदनाएं और सरकार की पूरी सहानुभूति उन सभी लोगों के साथ है, विशेष रूप से उन परिवारों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। ब्रिटिश संसद में यह चर्चा भारत के साथ एकजुटता और आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा संदेश देने का संकेत है।

उत्तर प्रदेश में 1000 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान, निर्वासन प्रक्रिया हुई शुरू

एजेंसी

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती, छह दशक से ज्यादा पुरानी सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए। पहलगाम में नृशंस हमले में 26 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई, जिसमें इस कायरतापूर्ण हमले के प्रति भारत के जवाबी कदमों को अंतिम रूप दिया गया तथा सुरक्षा बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को वित्तपोषित करने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। निर्वासन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, और सरकार की प्रतिक्रिया के तौर पर पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द कर दिए गए हैं। प्रभावित पाकिस्तानियों में से कई वाघा सीमा पार करके अपने वतन लौटने लगे हैं। इस बीच, उत्तर प्रदेश राज्य ने भी राज्य में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती, छह दशक से ज्यादा पुरानी सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए।

निर्वासित करने की तैयारी शुरू कर दी है। यूपी में 1,000 से अधिक पाकिस्तानी उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में राज्य में 1,000 से 1,200 पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं। हालांकि केंद्र सरकार का आधिकारिक निर्वासन आदेश अभी प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन निर्देश जारी होते ही प्रत्यावर्तन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी चल रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की, ₹राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। एक बार जब हमें केंद्र से अंतिम निर्देश मिल जाते हैं, तो हम उन्हें वापस भेजने के लिए तदनुसार कार्रवाई करेंगे। अमित शाह ने राज्यों को कार्रवाई करने का निर्देश दियाकेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संपर्क किया है, उन्हें अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनके शीघ्र निर्वासन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

पहलगाम हमले के बाद पहला जुमा:नमाजियों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

बोले- हमें बॉर्डर पर छोड़ दो, साबित कर देंगे देश के मुस्लिम वफादार

पटना में नमाज के बाद शाहनवाज खान ने कहा, 'पहलगाम हमले को लेकर सभी लोग दुखी हैं। सरकार जल्द से जल्द आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करें और 30 के बदले 3000 सर काट कर लाएं। हर जाति और मजहब के लोग आपके साथ हैं।'

एजेंसी

नई दिल्ली , पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आज पहले जुमे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी। नमाज के बाद आतंकी घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। पाकिस्तान और आतंकियों का पुतला जलाए गए। साथ ही हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में टीले वाली मस्जिद के शाही इमाम मौलाना कारी सैयद फजलुल मन्नान रहमानी ने नमाज के बाद कहा- पीएम मोदी जो भी

फैसला करेंगे, हम सब उनके साथ हैं और उनके हर फैसले का समर्थन करेंगे।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रदर्शन के दौरान मुस्लिमों बोले- प्रधानमंत्री से हमारी अपील है कि पाकिस्तान बॉर्डर खोल दो और हिंदुस्तान के मुसलमान को बॉर्डर पर छोड़ दो। हम साबित कर देंगे कि देश के मुसलमान वफादार हैं। आतंकवाद किसी धर्म या देश का प्रतिनिधित्व नहीं करता, आतंकियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 जनवरी को आतंकियों ने टूरिस्ट्स पर फायरिंग की थी। इसमें 1 नेपाली नागरिक समेत कुल 26 लोग की मौत हो गई थी, जबकि कई घायल हुए थे। पटना समेत बिहार के अलग-अलग जिलों में मुसलमानों ने काली पट्टी पहनकर जुमे की नमाज अदा की। इस दौरान मुसलमानों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार से आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भी जुमे की नमाज के बाद पहलगाम आतंकी हमले का विरोध हुआ। नमाज के दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। इसके बाद आतंकवाद का पुतला दहन किया। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। धर्मगुरु मौलाना सय्यद अनस अली ने कुरान की आयत का जिक्र करते हुए कहा, अल्लाह ने फरमाया है कि जिसने एक इंसान को मारा, उसने पूरी इंसानियत को मारा। हमारे भारतीयों का खून बहाया गया है, यह दुख और शर्म की बात है। धर्म का नाम बदनाम किया जा रहा है। हम पाकिस्तान और आतंकवाद से बदला लेना चाहते हैं।

'हिंदू कभी धर्म पूछकर नहीं मारते, दिखानी होगी शक्ति', पहलगाम हमले पर मोहन भागवत का बयान

भागवत ने कहा कि अभी जो लड़ाई चल रही है, वह संप्रदाय और धर्म के बीच नहीं है। इसका आधार संप्रदाय और धर्म है, बल्कि यह लड़ाई 'धर्म' और 'अधर्म' के बीच है। हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा। जो कट्टरपंथी लोगों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली , आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों से उनके धर्म के बारे में पूछताछ करने के बाद उनकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि एक हिंदू कभी ऐसा कृत्य नहीं करेगा। उन्होंने सरकार से पहलगाम आतंकी हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया, जिसमें 26 लोग, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, बंदूकधारियों द्वारा मारे गए थे। आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे। ने कहा कि अभी जो लड़ाई चल रही है, वह संप्रदाय और धर्म के बीच नहीं है। इसका आधार संप्रदाय और धर्म है, बल्कि यह लड़ाई 'धर्म' और 'अधर्म' के बीच है। हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा। जो कट्टरपंथी लोगों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे। इसलिए देश को मजबूत होना चाहिए। सभी दुखी हैं, हमारे दिलों में गुस्सा है जैसा कि होना चाहिए, क्योंकि राक्षसों का नाश करने के लिए अपार शक्ति की आवश्यकता होती है। लेकिन कुछ लोग इस बात को समझने को तैयार नहीं हैं।

मौजूदा लड़ाई 'धर्म' और 'अधर्म' के बीच, संप्रदायों के बीच नहीं

भागवत ने कहा कि अभी जो लड़ाई चल रही है, वह संप्रदाय और धर्म के बीच नहीं है। इसका आधार संप्रदाय और धर्म है, बल्कि यह लड़ाई 'धर्म' और 'अधर्म' के बीच है। हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा। जो कट्टरपंथी लोगों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले पर मोहन भागवत बोले

एजेंसी

मुंबईः जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश का माहौल है. निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या से हर कोई स्तब्ध है और आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है. इस दर्दनाक घटना पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फरर) के प्रमुख मोहन भागवत ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शत्रुता और दुश्मनी भारत का स्वभाव नहीं है, लेकिन नुकसान सहना भी हमारा स्वभाव नहीं है.मोहन भागवत मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित

कर रहे थे, जहां उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर बोलते हुए कहा कि अब देश को अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने का समय आ गया है. उन्होंने इस लड़ाई को धर्म और अधर्म के बीच का संघर्ष बताया और भारत को सशक्त बनाने के लिए देशवासियों से एकजुट होने का आह्वान किया, ताकि ऐसे असुरों का नाश किया जा सके.

नुकसान सहना भी हमारा स्वभाव नहीं – मोहन भागवत

मोहन भागवत ने जोर देते हुए कहा, ₹शत्रुता और दुश्मनी हमारा स्वभाव नहीं है, लेकिन नुकसान सहना भी हमारा स्वभाव नहीं है. अगर शक्ति है तो उसका प्रदर्शन करना चाहिए. ऐसे समय में शक्ति दिखानी चाहिए... इससे दुनिया को संदेश जाता है कि शक्ति का सामना करने वाला मजबूत है.₹ उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह लड़ाई समुदायों के बीच नहीं, बल्कि अच्छाई और बुराई के बीच है. उन्होंने पहलगाम हमले में मरने वालों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए कहा कि ₹कश्मीर में मरने वाले लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा गया. हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे. हमें इस घटना पर दुख है.

22 अप्रैल को आतंकियों ने मचाया था कत्लेआम

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर दिया है। आतंकियों ने इस बार बेकसूर पर्यटकों को अपना निशाना बनाया और कई लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी.

संक्षेप

शौच के लिए घर से निकली किशोरी हुई गायब

चौकीदार ने बहला-फुसलाकर किया अगवा, मां ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

सुल्तानपुर, सुलतानपुर के करौंदीकला थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के बहला फुसलाकर भगाए जाने का मामला सामने आया है ।पीड़ित मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है ।थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण की रिपोर्ट उसकी मां ने दर्ज कराई है। मां ने आरोप लगाया है कि 22 अप्रैल 2025 को रात करीब 11 बजे उनकी बेटी शौच के लिए घर से बाहर गई थी ।इसी दौरान थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव निवासी चौकीदार फिरोज उसे बहला-फुसलाकर अपनी गाड़ी में बिठाकर ले गया। पीड़ित मां को आशंका है कि उनकी बेटी के साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है। पीड़िता की मां ने 24 अप्रैल को थाने में शिकायत दर्ज कराई। करौंदीकला थानाध्यक्ष शरदेंदु दुबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में प्रदर्शन

अधिवक्ता संघ ने पुतला फूंका, पीड़ित के परिवारों को 50-50 लाख मुआवजे की मांग

बांदा, बांदा में जिला अधिवक्ता संघ ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर पाकिस्तान का पुतला फूंका। अधिवक्ता संघ ने राष्ट्रपति और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन में कहा कि पहलगाम में आतंकियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या से पूरा देश स्तब्ध है। संघ ने मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का दावा करती है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।इसी कारण आतंकियों के हौसले बुलंद हैं। अधिवक्ता संघ ने आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हाउस टैक्स पर भ्रम दूर करने की पहल

व्यापार मंडल ने पालिका अधिकारियों से की मुलाकात, 5 पैसे की वृद्धि पर दी सफाई

हापुड़ , हापुड़ नगर पालिका परिषद द्वारा हाउस टैक्स में की गई पांच पैसे की वृद्धि को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए संयुक्त हापुड़ उद्योग व्यापार मंडल ने पहल की है।व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार शाम को नगर पालिका अधिकारियों से मुलाकात की। व्यापार मंडल अध्यक्ष ललित अग्रवाल, महामंत्री संजय अग्रवाल और युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव गर्ग ने अधिशासी अधिकारी से मिलकर टैक्स वसूली में पारदर्शिता की मांग की। व्यापारियों ने बताया कि हाउस टैक्स में पांच पैसे की वृद्धि आम सहमति से तय की गई थी।

हाईकोर्ट इलाहाबाद, लखनऊ बेंच में एक साथ विरोध

आतंकी हमले के खिलाफ एक साथ मौन रहेंगी अदालतें; हाईकोर्ट बार ने जताया शोक, काली पट्टी बांधेंगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट और इसकी लखनऊ खंडपीठ में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा जाएगा। उधर, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने घटना के विरोध में शुक्रवार को बांह पर काली पट्टी बांध कर न्यायिक कार्य करने का निर्णय लिया है।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी सूचना के अनुसार मौन की शुरूआत सुबह 10:29 बजे एक सायरन की ध्वनि से होगी, जो वहां उपस्थित सभी लोगों को खड़े होकर मौन धारण करने का संकेत देगी। दो मिनट का यह मौन सुबह 10:32 से 10:33 बजे के बीच एक और सायरन की आवाज के साथ समाप्त होगा। रजिस्ट्रार जनरल के मुताबिक श्रद्धांजलि का आयोजन पहलगाम में हुए आतंकवादी कृत्य के पीड़ितों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने और उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह समवेत स्मृति कार्यक्रम इलाहाबाद की प्रधान पीठ और लखनऊ खंडपीठ में एक साथ आयोजित किया जा रहा है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों की आत्मा की शांति के ओल्ड स्टडी रूम में शोक सभा की। अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता में हुई शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई। साथ ही आतंकी हमले की घोर निंदा करते हुए अधिवक्ता सदस्यों से आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर न्यायिक कार्य करने का आग्रह किया है। शोक सभा का संचालन महासचिव विक्रांत पांडेय ने किया। शोकसभा में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे, उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी, अखिलेश कुमार मिश्र, सुभाष चंद्र यादव, नीरज त्रिपाठी व नीलम शुक्ला, संयुक्त सचिव सुमित श्रीवास्तव, अभिजीत पांडेय, पुनीत शुक्ल व आंचल ओझा, कोषाध्यक्ष रण विजय सिंह, गवर्निंग काउंसिल सदस्य उदिशा त्रिपाठी, मनीषा सिंह, किरन सिंह, अभिषेक मिश्र, अवधेश मिश्र, अभिषेक तिवारी, सच्चिदानंद यादव, दिनेश यादव, रत्नेश पाठक, राजेश शुक्ल, सर्वेश्वर लाल श्रीवास्तव, वेद प्रकाश ओझा, अमरनाथ त्रिपाठी व ब्रजेश कुमार सिंह सेंगर उपस्थित रहे।

राशन कार्ड धारकों को मिली बड़ी राहत

केवाईसी की समय सीमा 30 जून तक बढ़ी, 80 फीसदी से अधिक लोगों ने कराया पंजीकरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश सरकार ने राशन कार्ड धारकों को बड़ी राहत दी है। राशन कार्ड की केवाईसी की समय सीमा 30 जून तक बढ़ा दी गई है। पहले यह समय सीमा 30 अप्रैल तक थी। प्रयागराज के नैनी स्थित जोन-5 में कुल 77 राशन की दुकानें हैं। नगर निगम सीमा विस्तार के बाद 48 नई दुकानें जोड़ी गई हैं। इस जोन में पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्ड धारकों की कुल संख्या 38,661 है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी संजय कुमार के अनुसार, अब तक 80.17 फीसदी कार्ड धारकों का केवाईसी हो चुका है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सरकार पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 5 किलो राशन मुफ्त दे रही है। अंत्योदय कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 17 किलो गेहूं, 13 किलो चावल और 5 किलो बाजरा निःशुल्क मिल रहा है। सरकार ने सभी कोटेदारों को निर्देश दिया है कि वे अपने यहां से राशन लेने वाले सभी कार्ड धारकों का केवाईसी अनिवार्य रूप से कराएं। यह कदम राशन वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए उठाया गया है।

निर्माणाधीन मकान का लिंटर गिरा

मकान मालिक समेत 3 मजदूर घायल, पुरानी शटरिंग बल्ली टूटने से हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मोहनगंज कोतवाली क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान का लिंटर गिरने से 4 लोग घायल हो गए। यह हादसा रायबरेली-अयोध्या मार्ग पर मोहनगंज चौराहे से जगदीशपुर रोड पर हुआ। शटरिंग की पुरानी बल्ली टूटने से पूरी छत भरभराकर गिर गई। हादसे में मकान मालिक धनंजय पांडे और तीन मजदूर घायल हुए। घायल मजदूरों में मन्नू, होरई और नक्छेद शामिल हैं। तीनों मजदूर ग्राम पन्हौना थाना इन्हौना अमेठी के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलोई ले गई।

एक मजदूर के हाथ में गंभीर चोट लगने के कारण उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा पुरानी और कमजोर बल्ली का इस्तेमाल करने से यह हादसा हुआ। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम में आतंकी हमले पर सपा छात्र सभा का प्रदर्शन

सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन, जिलाध्यक्ष बोले – पीएम इस घटना का ले रहे राजनीतिक लाभ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में सुल्तानपुर में समाजवादी छात्र सभा ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। छात्रों ने सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। यहां प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के मुदार्बाद के नारे लगे। छात्र नेताओं की कलेक्ट्रेट गेट पर पुलिस से तीखी नोक झोंक भी हुई। जिलाध्यक्ष रामप्रकाश मौर्या ने बताया कि पहलगाम में सेना की वर्दी में आए आतंकवादियों ने 26 से अधिक नागरिकों की हत्या कर दी। आतंकियों ने पहले धर्म पूछा और परिचय पत्र की जांच की। यह जम्मू क्षेत्र में पिछले 6 वर्षों की सबसे बड़ी घटना है। यह हमला अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले हुआ। समाजवादी छात्रसभा ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी और परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने इस घटना का साम्प्रदायिक रंग देकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया। छात्र नेताओं ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने और नोटबंदी जैसे कदमों के बावजूद आतंकी घटनाएं जारी हैं। उन्होंने सरकार से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। छात्र नेताओं ने कहा कि पूर्व में भी इंटेलिजेंस की विफलता से बड़ी घटनाएं हुई हैं, लेकिन सरकार ने इनसे सबक नहीं लिया।

हिंदुस्तान ने ठाना है आतंकवाद भगाना है

स्कूली बच्चों ने किया आतंकवाद का विरोध, रैली निकालकर नारेबाजी की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 27 पर्यटकों की हत्या के बाद पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। अब स्कूली बच्चे भी आतंकवाद के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। अमेठी के मुसाफिरखाना में वसी हैदर पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बड़ी रैली निकाली। बच्चों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कई नारे लगाए जिनमें प्रमुख थे - 'देश का नागरिक जगेगा तो आतंकवाद भागेगा', 'जीवन की रक्षा करो आतंकवाद का नाश करो' और 'हिंदुस्तान ने ठाना है आतंकवाद भगाना है'। देश भर में हो रहे प्रदर्शन तीन दिन पहले पहलगाम में आतंकवादियों ने 27 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से देशभर में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कई जगहों पर पुतला दहन भी किया जा रहा है। लोग सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मां-बेटी लौटीं पाकिस्तान

45 दिन तक रुकने के लिए आई थीं, 48 घंटे में भारत छोड़ने का है आदेश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमरोहा, कश्मीर के पहलगाम में टूरिस्टों पर हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। सरकार ने पाकिस्तान से आए सभी लोगों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है। इस फैसले का असर अमरोहा में भी देखने को मिला। पाकिस्तान के कराची से 20 अप्रैल को सार्क वीजा पर आईं फातिमा सैय्यदा और उनकी बेटी जोया बतूल को अपना दौरा बीच में ही खत्म करना पड़ा।

दोनों ने स्थानीय खुफिया एजेंसी कार्यालय में औपचारिकताएं पूरी कर पाकिस्तान के लिए प्रस्थान किया। मां-बेटी की योजना 45 दिन तक रुकने और अलीगढ़ व दिल्ली जाने की थी। लेकिन दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के कारण उनका सफर अधूरा रह गया।

सरकार ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरने की रणनीति अपनाई है।

वाघा बॉर्डर को सील कर दिया गया है और कई समझौते रद्द कर दिए गए हैं। कई महिलाओं की शादी पाकिस्तान में हुई अमरोहा में पाकिस्तान से गहरे रिश्ते हैं।

देश के बंटवारे के समय यहां के कई परिवार पाकिस्तान चले गए थे। कई पाकिस्तानी महिलाओं की शादी अमरोहा में हुई है।

स्थानीय खुफिया एजेंसियां इन सभी का रिकॉर्ड रखती हैं और नियमित रूप से निगरानी करती हैं।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हुए मुस्लिम

अलीगढ़ के मुस्लिम बाहुल्य ऊपरकोट में निकला कैंडल मार्च, सरकार से कार्रवाई की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ मुस्लिम समाज के लोग भी लगातार आवाज उठा रहे हैं और सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अलीगढ़ के मुस्लिम बाहुल्य ऊपरकोट इलाके में गुरुवार रात को कैंडल मार्च निकाला गया और इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। एएमयू के छात्रसंघ अध्यक्ष और शहर विधानसभा से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रहे डॉ सलमान इम्तियाज की अगुवाई में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग एकजुट हुए और उन्होंने कैंडल मार्च निकाला। ऊपरकोट इलाके में मार्च निकाला गया और सभी ने आतंक के खिलाफ

एकजुट होने का संदेश दिया। लोगों का कहना था कि आतंकियों की इस कायरता भरी हरकत के खिलाफ सारा समाज सरकार के साथ खड़ा है। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी सलमान इम्तियाज ने कहा कि आतंक और आतंकवादी का कोई धर्म या मजहब नहीं होता है। इसलिए आतंकियों को किसी धर्म से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। क्योंकि यह लोग किसी धर्म को नहीं मानते हैं। इनका काम सिर्फ दहशत फैलाना होता है। इस आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति अलीगढ़ और देश का हर एक नागरिक सरकार के साथ खड़ा है। मृतकों के परिवार के साथ सभी की संवेदनाएं हैं और सरकार जो भी निर्णय लेगी, उसमें सभी देशवासी सरकार का पूरा सहयोग करेंगे। इसलिए इस घटना के बाद आपसी भाईचारे को नहीं भुलाना चाहिए। कैंडल मार्च के बाद उन्होंने कहा कि सरकार ने जब कश्मीर से धारा 370 को खत्म किया था तो उस समय यह माना जा रहा था कि आतंकी घटनाओं पर विराम लग जाएगा। लेकिन इस मामले में आतंकी सरहद को पार करके आए और फिर वापस लौट गए। इसमें सरकार की चूक हुई है, जिसके कारण पूरा देश आज सदमें में है। इसलिए इस मामले में सरकार जवाब दे और जिम्मेदारी तय करे। जिससे दुबारा ऐसी दशहत पूर्ण घटना न हो।

कश्मीर में हिंदुओं की हत्या का विरोध

अमेठी में विहिप और बजरंग दल ने किया आतंकवाद का पुतला दहन, श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 हिंदू नागरिकों की हत्या के विरोध में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शुक्रवार को अमेठी के गौरीगंज में प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने फलमंडी तिराहे पर आतंकवाद का पुतला दहन किया। विद्या मंदिर गौरीगंज में पहलगाम के पीड़ितों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ता

और हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में विहिप अमेठी की जिलाध्यक्ष डॉ. सरिता सिंह, जिला मंत्री अभिमन्यु उपाध्याय और संगठन मंत्री रामबाबू भारत मौजूद रहे। आरएसएस अमेठी के जिला प्रचारक पवन जी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला भी कार्यक्रम में शामिल हुए। विहिप के जिला कोषाध्यक्ष रामजी अग्रहरि, जिला सह मंत्री अशोक श्रीवास्तव, विभाग सहमंत्री भूपेंद्रनाथ सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। संरक्षक भगवान बख्श सिंह, राम सिंह, बद्री सोनी और नीरज सिंह ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

अनुराग कश्यप के खिलाफ करणी सेना का प्रदर्शन

ब्राह्मणों पर विवादित बयान के विरोध में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, फिल्म निमार्ता अनुराग कश्यप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। उन्होंने हाल ही में ब्राह्मणों के बारे में विवादित टिप्पणी की थी। इस मामले में करणी सेना ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। करणी सेना भारत के जिला अध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह ने बड़ी संख्या में कार्यकताओं के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अनुराग कश्यप के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि अनुराग कश्यप लगातार सवर्णों और देवी-देवताओं पर विवादित टिप्पणी करते रहते हैं।

कश्मीर में पर्यटकों की हत्या का विरोध

मथुरा में विहिप और बजरंग दल ने किया प्रदर्शन, आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के विरोध में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने मथुरा में प्रदर्शन किया। केंद्रीय आवाहन पर आयोजित इस प्रदर्शन में कार्यकताओं ने आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाई। होली गेट पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हिंदूवादी नेताओं ने केंद्र सरकार से पाकिस्तान को जवाब

देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सेना को खुली छूट देने की मांग भी रखी। कश्मीर में हुई इस घटना के बाद देशभर में आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई जगहों पर श्रद्धांजलि सभाएं भी आयोजित की जा रही हैं। विश्व हिंदी परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान मुदार्बाद के जमकर नारे लगाए । इस विरोध प्रदर्शन में साधु संत भी शामिल हुए जिसमें वृंदावन के नवल गिरी महाराज ने कहा कि पाकिस्तान भारत को कतई कमजोर ना समझे भारत आप पूरी तरह से अपनी तैयारी पूरी कर चुका है और निश्चित तौर पर पाकिस्तान को करारा जवाब देने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से पाकिस्तान के आतंकियों ने हिंदुस्तान के सैलानियों की निर्मम हत्या की है इसका बदला हम हिंदुस्तानी लेकर रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी